अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 9314505000 लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, गुरुवार, 3 अगस्त 2023 वर्ष : 13 अंक : 340 पृष्ठ : 8 दैनिक प्रात: कालीन मूल्य : 1 रूपया

राजस्थान में फिर शुरू होंगी खदानों की नीलामी

हाईकोर्ट की रोक को सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द; 50 हजार छोटी-खदाने हो सकेगी ऑक्शन

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। खदानों की नीलामी के फैसले पर राजस्थान हाईकोर्ट ने जो रोक लगाई थी। उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से राज्य सरकार अब प्रदेश में अटकी पड़ी 50 हजार से ज्यादा खदानों को नीलामी के लिए बेच सकेगी। सुप्रीम कोर्ट में ये आदेश जज ए.एस बोपन्ना और एम.एम सुंदरेश ने दिए हैं। राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की पैरवी सीनियर रिपोर्टर मनीष सिंघवी ने की। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक गहलोत सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में खनन नीलामी का नया नियम लाते हुए पुरानी आवंटन पॉलिसी को रद्द कर दिया था। इस कारण प्रदेशभर में 50 हजार से ज्यादा छोटी खदानों के आवंटन के लिए जो आवेदन आए थे वो रद्द हो गए। सरकार के इस फैसले को आवेदन करने वाले लोगों ने राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करने के बाद मार्च 2013 को फैसला सुनाते हुए गहलोत सरकार के फैसले को रद्द करते हुए खदानों का आवंटन पुरानी पॉलिसी के तहत करने के लिए कहा।

10 साल बाद आया फैसला : हाईकोर्ट के इस आदेश को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने के बाद मामले पर सुनवाई और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने आज गहलोत सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2013 के हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए गहलोत सरकार के नीलामी वाले फैसले को बहाल कर दिया।

50 हजार से ज्यादा माइन्स का होगा ऑक्शन : सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद अब सरकार प्रदेश की छोटी-छोटी 50 हजार से ज्यादा माइन्स को नीलामी के जरिए बेच सकेगी। इससे सरकार को करोड़ों रुपए का रेवेन्यू मिलेगा। 2013 से पहले सरकार खदानों का आवंटन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर करती थी। इस पॉलिसी के तहत राज्य सरकार के पास प्रदेशभर से 50 हजार से ज्यादा आवेदन आ गए थे, जो पेंडिंग चल रहे थे।

लाल डायरी पर हंगामा

राजस्थान विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

चमकता राजस्थान, जयपुर। लाल डायरी और बीजेपी विधायक मदन दिलावर के निलंबन के मुद्दे पर विधानसभा में शून्य काल के दौरान भाजपा विधायकों ने हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष के लाल डायरी का जिक्र करते ही हंगामा हो गया। हंगामा के कारण दो बार स्पीकर को सदन की कार्यवाही आधे-आधे घंटे के लिए स्थगित करनी पड़ी। तीसरी बार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। पहली बार 12 बजकर 9 मिनट और दूसरी बार 1 बजकर 3 मिनट पर सदन की कार्यवाही को आधे-आधे घंटे के लिए स्थगित किया गया। बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी की। 1ः33 बजे तीसरी बार सदन जुटने के बाद भी बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी जारी रखी। बीजेपी विधायकों के हंगामा करने और नारेबाजी के बीच सदन में महज 23 मिनट में 5 बिल पारित कर दिए गए। पांच बिल पारित करने के बाद सदन की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मौजूदा 15वीं विधानसभा की कार्यवाही का आज आखिरी दिन था। इसके बाद अब नई सरकार बनने के बाद ही जनवरी में सत्र बुलाया जाएगा। इससे पहले हंगामा की शुरुआत नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के स्थगन प्रस्ताव से मामला उठाने के दौरान लाल डायरी का जिक्र करने पर हुई।

राजेंद्र राठौड़ ने बीजेपी विधायक मदन दिलावर के निलंबन को वापस लेने की मांग करते हुए लाल डायरी से उठ रहे सवालों का जिक्र किया। लाल डायरी छीनने का आरोप लगाया तो हंगामा हो गया। जलदाय मंत्री महेश जोशी, संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राठौड़ के मामला उठाते ही कड़ी आपत्ति की।

राठौड़ बोले- लाल डायरी छीन कर ले जाना गलत : राजेंद्र राठौड़ ने कहा- आज भी कुछ अनुत्तरित सवाल आ जाते हैं और उसमें सदन की गरिमा का सवाल भी उठ जाता है। सत्ता पक्ष की गरिमा का सवाल भी उठ जाता है। सत्ता पक्ष का सदस्य लाल डायरी टेबल करना चाहता है। उसे छीन कर ले जाया जाता है। यह भी उचित नहीं है।

जोशी ने कहा- लाल डायरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बन गई है... : राठौड़ के लाल डायरी छीनने का जिक्र करते ही जलदाय मंत्री महेश जोशी ने कहा- यह झूठ बोलने की हाइट है। यह ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बन गई है, बीजेपी के झूठ बोलने की। कौन-सी लाल डायरी थी। किसने छीना यह गलत बात है। लगातार झूठ बोल रहे हैं।

धारीवाल बोले- टेबल यहां होती है क्या : संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने कहा- टेबल करने के भी प्रोसेस तय हैं। धारीवाल ने अपनी टेबल की तरफ इशारा करते हुए कहा- टेबल यहां होती है या वहां होती है टेबल कहां किया जाता है। बीजेपी गलत रोल प्ले कर रही है। इसमें शुरू से ही मिलीभगत की बू आ रही है। डोटासरा ने कहा- बीजेपी अपने कृत्य के लिए माफी मांगे।

राठौड़ के लाल डायरी का जिक्र करते ही डोटासरा बोले- यह मिलीजुली नुरा-कुश्ती थी : राजेंद्र राठौड़ ने स्थगन प्रस्ताव के जरिए मामला उठाते हुए कहा- 21 जुलाई को जब मणिपुर की घटना के जिक्र पर हम एनसीआरबी के आंकड़ों पर बात करते हुए सरकार से जवाब मांग रहे थे। उसी समय तत्कालीन राज्यमंत्री उठे। उन्होंने राजस्थान की आज की स्थिति में महिलाओं के रेप को लेकर सरकार पर लानत देते हुए कहा- हालत ठीक नहीं है। आपने उनको बर्खास्त किया, यह आपका मामला है। इस पर गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- इस बात की कोई रिलेवेंसी नहीं है। इनकी मिलीजुली नूरा-कुश्ती थी, आज इस बात का क्या रिलेवेंस है इस पर स्पीकर सीपी जोशी ने सदन की परंपरा का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष को बोलते समय टोकने पर आपत्ति जताई। इसके बाद डोटासरा शांत हुए।

राठौड़ बोले- दिलावर का निलंबन रद्द हो, बढ़ते दुष्कर्मों पर सदन में चर्चा हो : राजेंद्र राठौड़ ने कहा- मंत्री परिषद में मुख्यमंत्री किसको रखेंगे। उनका विवेकाधिकार है। तत्कालीन राज्य मंत्री ने जब लाल डायरी सदन में टेबल करनी चाही तो सदन में गुस्से का वातावरण बना। सत्ता पक्ष के दोनों गुटों में जिस तरह का झगड़ा हुआ। उसमें रामगंज मंडी से आने वाले विधायक मदन दिलावर वेल में आए थे। यह मैं स्वीकार करता हूं, लेकिन उनका ऐसा कोई कृत्य नहीं था कि उन्हें निलंबित किया जाता। अचानक प्रस्ताव लाकर उन्हें पूरे समय के लिए निलंबित किया जाता है। मदन दिलावर का निलंबन खत्म किया जाए। आप दिलावर के उस दिन के वीडियो देख लीजिए, उनका ऐसा कोई कृत्य नहीं है कि उनको निलंबित किया जाए।

ईरान में 2 दिन का टोटल शटडाउन, वजह- गर्मीए पारा 50 डिग्री पार पहुंचा

तहरान, (एजेंसी)। ईरान में तेज गर्मी के चलते पहली बार 2 दिन का टोटल शटडाउन घोषित कर दिया गया है। ईरान की सरकार ने सभी कार्यालय, स्कूल और बैंक बंद रखने का फैसला सुनाया है। ईरान में तापमान 123 डिग्री फैरेनहाइट यानी 50 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को हीट स्ट्रोक का खतरा बताते हुए घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है।

सरकारी प्रवक्ता अली बहादुरी-जहरोमी ने बताया कि सभी अस्पतालों को हाई-अलर्ट पर रखा गया है। साउथ-ईस्ट के प्रांत सिस्तान-बलूचिस्तान में, बढ़ते तापमान और धूल भरी आंधियों की वजह से हाल ही में करीब 1 हजार लोगों को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा है। ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि इस साल ईरान में बिजली का इस्तेमाल रिकॉर्ड लेवल तक पहुंचने के आसार हैं, क्योंकि लोग,ष्ट का इस्तेमाल बढ़ा रहे हैं।

2 पावर प्लांट ग्रिड से बाहर, इलेक्ट्रिसिटी इंफ्रास्ट्रक्चर पुराना हुआ : ईरान में अब तक 2 पावर प्लांट ग्रिड से बाहर हो चुके हैं और कई शहरों में बिजली कटौती भी हो रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान में बिजली संकट गहरा सकता है। यहां इलेक्ट्रिसिटी इंफ्रास्ट्रक्चर बेहद पुराना हो चुका है। इसे सुधार के लिए विदेशी निवेश की जरूरत है। हालांकि, अमेरिका की तरफ से लगाई गईं पाबंदियों की वजह से ये मदद मिलना फिलहाल नामुमकिन है।

ऊर्जा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि आने वाले दिनों में ईरान मेंस बिजली संकट को देखते हुए शटडाउन बढ़ाया जा सकता है। इससे पहले पिछले साल इराक ने अपने नागरिकों को 125 डिग्री तापमान से बचाने के लिए सार्वजनिक छुट्टियां बढ़ा दी थीं। वहीं मिस्र में भी हीटवेव और बिजली के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से दिन में कम से कम 1 बार बिजली कटौती की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री की गिरफ्तारी पर जारी रहेगी रोक

1 घंटे चली बहस, वकील आपस में उलझे जज ने जाहिर की नाराजगी

चमकता राजस्थान, जोधपुर। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी। बुधवार को संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले मामले में एसओजी की ओर से दायर एफआईआर के खिलाफ शेखावत की विविध आपराधिक याचिका पर सुनवाई हुई। 1 घंटे चली सुनवाई में वकील आपस में बहस करने लगे इस पर जस्टिस कुलदीप माथुर ने नाराजगी जाहिर की। काफी देर दोनों पक्षों की ओर से बहस के बाद जज ने वकीलों को पूरी तरह से तैयार होकर आने की बात कही और सुनवाई के लिए 11 सितंबर की डेट दी है। सुनवाई के दौरान सीबीआई के अधिवक्ता मुकेश राजपुरोहित ने मामले को सीबीआई को सौंपने की दलील दी गई। इधर, एसओजी के वकील गिरफ्तारी पर रोक हटाने को लेकर अपने तर्क दिए गए। सीबीआई की ओर से काउंसिल बदलने के चलते सचिन आचार्य की जगह अब मुकेश राजपुरोहित हाईकोर्ट पहुंचे। इस पर वकील ने रिप्लाई का समय मांगा। राज्य सरकार की ओर से वकील सिद्धार्थ लूथरा मौजूद थे। शेखावत की ओर सुल्तान सिंह और बाजवा मौजूद थे। एएजी अनिल जोशी भी मौजूद रहे। करीब साढे तीन बजे बहस शुरू हुई।हाईकोर्ट जस्टिस कुलदीप माथुर की कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीआई वकील ने कोर्ट को बताया कि गुजरात व मध्यप्रदेश में संजीवनी क्रेडिट कोआपरेटिव के खिलाफ मामला दर्ज हो चुका है। ऐसे में दोनों राज्य सरकारों ने नोटिफिकेशन जारी कर सीबीआई को जांच सौंपी है और सीबीआई ने मुकदमा दर्ज कर जांच कर शुरू दी। राजस्थान में भी मामला सीबीआई को सौंपा जाए, इस मामले में अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी।

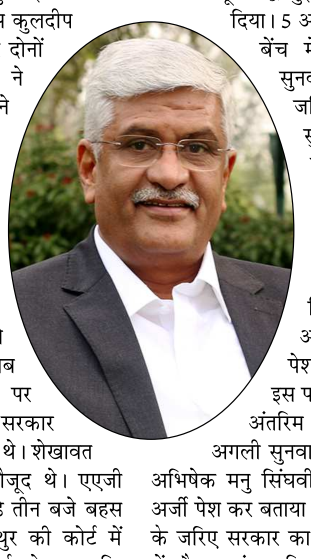

24 मार्च को दायर की थी याचिका : गौरतलब है कि शेखावत की ओर से 24 मार्च को हाईकोर्ट में एसओजी द्वारा दर्ज एफआईआर पर रोक की याचिका दायर की गई थी। 28 मार्च को जस्टिस मनोज गर्ग की बेंच में सूचीबद्ध हुई जिस पर सुनवाई से इनकार कर दिया। 5 अप्रैल को जस्टिस प्रवीर भट्नागर की बेंच में सूचीबद्ध हुई लेकिन फिर से सुनवाई पर इनकार के बाद अप्रैल में जस्टिस कुलदीप माथुर की बेंच में सुनवाई हुई। 13 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पैरवी कर रहे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट को बताया था कि फिलहाल शेखावत एसओजी की किसी भी एफआईआर या जांच में आरोपी नही है। ऐसे में उनके द्वारा पेश याचिका का कोई महत्व नही है। इस पर कोर्ट ने शेखावत की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक का आदेश जारी किया था।

अगली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी की ओर से कोर्ट के समक्ष एक अर्जी पेश कर बताया कि चुकी उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरकार का पक्ष रखा था और इस दौरान कोर्ट में मौजूद जांच अधिकारी से समन्वय की कमी के चलते उन्होंने कोर्ट के समक्ष गलती से यह बात रख दी थी।

एक और एप्लिकेशन पेश की गई जिसे कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से पेश एप्लिकेशन को स्वीकार किया और अपने आदेश में शेखावत की गिरफ्तारी पर रोक के आदेश को आगामी आदेश तक जारी रखा ।

370 पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई : कपिल सिब्बल ने कहा- जम्मू-कश्मीर से 370 को कभी नहीं हटाया जा सकता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली 23 याचिकाओं पर बुधवार (2 अगस्त) सुप्रीम कोर्ट में पहले दिन की सुनवाई पूरी गई। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच जजों की बेंच में सुनवाई हुई। इनमें जस्टिस एस के कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल रहे। सुनवाई के दौरान CJI ने कपिल सिब्बल से पूछा कि आर्टिकल 370 खुद ही अपने आप में अस्थायी और ट्रांजिशनल है। क्या संविधान सभा के अभाव में संसद 370 को निरस्त नहीं कर सकती इस पर जवाब देते हुए सिब्बल ने कहा कि संविधान के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर से 370 को कभी हटाया नहीं जा सकता है ।

उन्होंने कोर्ट में दलील दी कि आर्टिकल 370 के मुताबिक, संसद केवल राज्य सरकार के परामर्श से जम्मू-कश्मीर के लिए कानून बना सकती है। 370 को निरस्त करने की शक्ति हमेशा जम्मू-कश्मीर विधायिका के पास है। आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट में 3 साल बाद सुनवाई हो रही है। इससे पहले, 2020 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी। तब अदालत ने कहा था कि हम मामला बड़ी संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं। सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि जम्मू-कश्मीर में एक निर्वाचित विधानसभा के पास भी आर्टिकल 370 को निरस्त करने की कोई शक्ति नहीं है। पहले 370 अस्थायी था, लेकिन जब 1950 में संविधान सभा भंग हुई, तो ये अपने आप स्थायी आर्टिकल बन गया। अगर इसे हटाना है तो संविधान सभा की इजाजत लेनी होगी, लेकिन वो अब है ही नहीं, ऐसे में इसको हटाया नहीं जा सकता है।

10 जुलाई को केंद्र ने मामले में नया एफिडेविट दाखिल किया था : इस मामले को लेकर आखिरी सुनवाई 11 जुलाई को हुई थी। इससे एक दिन पहले 10 जुलाई को केंद्र ने इस मामले में नया एफिडेविट दाखिल किया था। केंद्र ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर 3 दशकों तक आतंकवाद झेलता रहा। इसे खत्म करने का एक ही रास्ता था आर्टिकल 370 हटाना।

याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व कर रहे सीनियर एडवोकेट राजू रामचंद्रन ने आखिरी सुनवाई के दौरान कहा था कि दो याचिकाकर्ता ह्वस्र शाह फैसल और शेहला राशिद शोरा ने याचिका वापस लेने के लिए अपील की है। इस पर केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि अगर कोई याचिकाकर्ता अपना नाम वापस लेना चाहता है तो उन्हें कोई कठिनाई नहीं है। इसके बाद बेंच ने नाम वापसी की अनुमति दे दी।

4 साल से मामला सुप्रीम कोर्ट में : केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया था। अक्टूबर 2020 से संविधान पीठ ही इस मामले की सुनवाई कर रही है।

मोदी सरनेम केस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का माफी मांगने से इंकार, कहा- इसका सवाल ही नहीं उठता

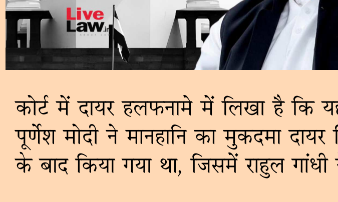

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मोदी सरनेम केस में दो साल की सजा और सांसदी खोने के बाद भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के तेवर ढीले पड़ते नजर नहीं आ रहे हैं। सूरत कोर्ट के फैसले पर गुजरात हाई कोर्ट से झटका लगने के बाद राहुल गांधी ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जहां जल्द ही इस मामले में सुनवाई होनी है। सर्वोच्च अदालत के फैसले से पूर्व बुधवार को इस मामले में एक नई जानकारी सामने आई। राहुल गांधी ने इस मामले में माफी मांगने से इंकार कर दिया है। मोदी सरनेम केस में माफी की बात पर राहुल गांधी का साफ कहना है कि माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता। पहली नजर में इस केस में मानहानि का मामला बनता ही नहीं है। दरअसल राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर इस बात की जानकारी दी।

हलफनामे में राहुल ने लिखा- यह माफी मांगने का कृत्य नहीं : राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में लिखा है कि यह माफी मांगने का कृत्य नहीं है। मालूम हो कि राहुल गांधी के खिलाफ गुजरात के भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने मानहानि का मुकदमा दायर किया था। यह केस 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी के कर्नाटक में दिए एक भाषण के बाद किया गया था, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि सभी चोरों का सरनेम मोदी होता है।

न्यूज ब्रीफ

राजस्थान में आई फ्लू का कहर, अस्पतालों में दवाइयां खत्म, डॉक्टरों की छुट्टी पर भी लगी रोक

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान में इस साल आई फ्लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। अस्पतालों में मरीजों की कतार आउटडोर खुलने से पहले ही लगनी प्रारंभ हो जाती हैं। स्वास्थ्य केंद्रों पर हर दिन आंखों में लालीपन,चुभन और खुजली की समस्या लिए लोग पहुंच रहे हैं। जिसके चलते कई अस्पतालों में दवाइयों की भी कमी हो गई है। आईफ्लू के बढ़ते संक्रमण के बीच एसएमएस, जयपुरिया समेत अन्य सरकारी अस्पताल, डिस्पेंसरियों के अलावा बाजार में इस संक्रमण से बचाव के लिए काम आने वाली दवाइयों का टोटा हो गया है। इन अस्पतालों में डॉक्टर जिन दवाइयों का परामर्श दे रहे हैं, वे ही यहां नहीं मिल रही हैं। मजबूरन मरीजों को अस्पताल से बाहर दूसरी वैकल्पिक दवाइयां लेनी पड़ रही हैं। सबसे ज्यादा परेशानी आईड्रोप को लेकर हो रही है।

बीकानेर में डॉक्टरों के अवकाश पर रोक : आई फ्लू के संक्रमण को देखते हुए बीकानेर के पीबीएम अस्पताल तथा जिला अस्पताल (सेटेलाइट) के नेत्र रोग विभाग के सभी चिकित्सकों के अवकाश पर रोक लगा दी गई है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी ने नेत्र रोग विभाग में मरीजों की भीड़ देखी, तो उन्होंने तत्काल नेत्र रोग चिकित्सकों के अवकाश पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। इस समय नेत्र रोग विभाग में प्रतिदिन औसतन 1100 मरीजों का पंजीकरण हो रहा है। यहीं स्थिति जिला अस्पताल में भी देखने को मिल रही है।

एसएमएस में रोजाना 150 से 200 मरीज : दरअसल, इन दिनों घर-घर में आईफ्लू से ग्रस्त मरीज मिल रहे हैं। ये हर उम्र के लोगों को चपेट में ले रहा है। अस्पतालों की ओपीडी में 30-40 फीसदी मरीज आईफ्लू से पीड़ित आ रहे हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल के चरक भवन, जयपुरिया अस्पताल, कांवटिया अस्पताल समेत अन्य सरकारी अस्पतालों में ऐसा ही हाल देखा जा रहा है। एसएमएस अस्पताल के नेत्ररोग विशेषज्ञों का कहना है कि आईफ्लू के रोजाना 150 से 200 मरीज पहुंच रहे हैं इसलिए ड्रोप की कमी आ गई है। डिमांड भेज दी है। जल्दी समाधान हो जाएगा

कूनो में एक और चीते की मौत, मादा चीता टिबलिसी की गई जान

श्योपुर, (एजेंसी)। कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता धात्री (टिबलिसी) की मौत हो गई है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव ने कहा- धात्री सुबह मृत पाई गई। मौत की वजह पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। 26 मार्च से अब तक 9 चीतों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन शावक भी शामिल हैं, जिनका जन्म कूनो में हुआ था।इसके पहले कूनो प्रबंधन ने प्रेस नोट जारी कर कहा, %कूनो नेशनल पार्क में बाड़े में रखे गए 14 चीते (7 नर, 6 मादा और 1 शावक) स्वस्थ हैं। कूनो और नामीबिया के वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट्स लगातार उनका हेल्थ चेकअप कर रहे हैं। इनके अलावा खुले जंगल में घूम रहीं दो मादा चीता पर निगरानी रखी जा रही है और उनको बाड़े में लाने के प्रयास जारी हैं। इन दोनों में से एक मादा चीता टिबलिसी आज सुबह मृत पाई गई।

ब्रिक्स समिट के लिए साउथ अफ्रीका नहीं जाएंगे मोदी

नई दिल्ली/जोहान्सबर्ग, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने पर सस्पेंस है। यह समिट 22 से 24 के बीच साउथ अफ्रीका के शहर जोहान्सबर्ग में होने वाली है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन पहले ही समिट में हिस्सा लेने से इनकार कर चुके हैं। न्यूज एजेंसी 'रॉयटर्स' के मुताबिक- मोदी इस मीटिंग में वर्चुअली शिरकत कर सकते हैं। भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन और साउथ अफ्रीका ब्रिक्स के मेंबर कंट्री हैं। सदस्य देशों के नाम का पहला अक्षर लेकर ही ब्रिक्स शब्द बना है।

फॉरेन मिनिस्ट्री ने चुप्पी साधी : न्यूज एजेंसी ने जब मोदी के साउथ अफ्रीका जाने और ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने पर सवाल किया तो वहां से किसी तरह का जवाब नहीं दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक- चीन और रूस ब्रिक्स में कुछ और देशों को शामिल करना चाहते हैं, जबकि इस मामले पर भारत की कुछ शर्तें हैं। पाकिस्तान के साथ-साथ सऊदी अरब, ईरान समेत 19 देशों ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पेशकश की है। ब्रिक्स देशों ने भी संगठन को मजबूत करने के लिए और सदस्यों को जोड़ने की बात कही है।

नूंह हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट - नफरती भाषण, हिंसा रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा में भड़की हिंसा के मद्देनजर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से आयोजित रैलियों पर रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने उस आदेश का पालन सुनिश्चित करने का उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सरकारों को निर्देश दिया, जिसमें समाज में नफरत फैलाने वाले भाषण तथा बयानों के अलावा सांप्रदायिक हिंसा रोकने के लिए स्वत: संज्ञान कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी भट्टी की पीठ ने केरल के मल्टी मीडिया पत्रकार शाहीन अब्दुल्ला की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता चंदर उदय सिंह द्वारा किए गए तत्काल उल्लेख पर विशेष सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने ऐसी रैलियों में वीडियोग्राफी और सीसीटीवी फुटेज के इस्तेमाल का निर्देश दिया और कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कानून का शासन कायम रहे।

चिंतन

सुरक्षित माहौल में ही विकास की धुरी बन सकेंगी महिलाएं

महिला और पुरुष जीवन के दो पहिए हैं, तो विकास के भी दो पहिए हैं। परिवार की समृद्धि में महिलाओं की अहम भूमिका है तो राष्ट्र के आर्थिक विकास में भी उनका अहम योगदान है। महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण राष्ट्रीय विकास को गति देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना सही है कि महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका 'महिला नीत विकासात्मक दृष्टिकोण' है। जी-20 के 'महिला सशक्तिकरण मंत्रिस्तरीय सम्मेलन' में पीएम मोदी ने विकासशील देशों के संदर्भ में उल्लेखनीय बात की कि 'जब महिलाएं समृद्ध होती हैं, तो दुनिया समृद्ध होती है।' उन्होंने मौजूदा परिदृश्य में महिला उद्यमियों को समान अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। हमारा लक्ष्य समान अवसर मुहैया कराने वाला मंच बनाने का होना चाहिए जहां महिलाओं द्वारा उपलब्धि हासिल करना सामान्य बात हो जाए। हमें उन बाधाओं को दूर करने पर काम करना चाहिए जो बाजार, वैश्विक मूल्य श्रृंखला तथा किफायती वित्त तक उनकी पहुंच को रोकती हैं। महिलाओं की शिक्षा तक पहुंच वैश्विक प्रगति को बढ़ावा देती है। उनका नेतृत्व समावेशिता बढ़ाता है और उनकी आवाज सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करती है। यह बिल्कुल सही बात है, लेकिन कैसे? क्या समाज महिलाओं का नेतृत्व स्वीकार कर रहा है? क्या हमारी राजनीति महिलाओं को उनका हक दे रही है? क्या हमारी न्याय व्यवस्था में महिलाओं को इंसाफ मिल रहा है? क्या हमारी पुलिस व्यवस्था में महिलाओं को सुरक्षा मिल रही है? क्या परिवार में महिलाओं को वो आर्थिक हक मिल रहा है, जिनकी वो हकदार हैं? क्या मणिपुर जैसी घटनाएं रुक रही हैं? बेशक महिलाओं की उपलब्धियों के अनेक स्वर्णिम उदाहरण हैं, लेकिन वे अल्प हैं, बहुतायत में नहीं है। जी-20 के अनेक देशों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व पारिवारिक दशा बेहद दारूण हैं। महिलाएं शोषण की शिकार हो रही हैं, उन्हें सबसे अधिक यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है। भारत में भी महिलाओं की दशा बहुत अच्छी नहीं है। संवैधानिक समानता के बावजूद वो सामाजिक समानता के लिए संघर्ष कर रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़े डराते हैं। वे रेप, हत्या, घरेलू हिंसा की शिकार हो रही हैं। निश्चित रूप से आर्थिक आजादी मिलने से महिलाएं राष्ट्र के विकास में क्रांतिकारी योगदान दे सकती हैं, लेकिन क्या वित्तीय संस्थाएं महिलाओं को कर्ज देने के मामले में उदार हैं? भारत की कृषि अर्थव्यवस्था में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान है, इसके बावजूद उन्हें किसान का दर्जा आसानी से नहीं मिलता। कृषि के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य आदि अनेक क्षेत्र हैं, जिनमें महिलाएं अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं, इसके बावजूद अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को सराहा नहीं जाता है। महिलाओं के आर्थिक विकास में भागीदार बनने के लिए जरूरी है कि परिवार, समाज व कार्यस्थल उनके लिए सुरक्षित हों। आज महिलाओं के लिए सुरक्षा बड़ा प्रश्न हैं। आर्थिक विकास की मुख्यधारा में महिलाओं की भागीदारी और बढ़नी चाहिए, शतप्रतिशत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की योजना राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वित होनी चाहिए। जी-20 देशों को चाहिए कि वे महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने के लिए मैकेनिज्म बनाने की दिशा में काम करें।

कब रुकेंगे महिलाओं पर जुल्म

मणिपुर हिंसा

प्रो. नीलम महाजन सिंह

> समाज का स्वरूप चाहे कितना भी प्रगतिशील हो, महिलाओं के खिलाफ घृणित से घृणित अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मणिपुर की घटना से मेरा दिल टूटा हुआ है और मेरी आत्मा छलनी हो गई है। मेरी आंखों से आँसू थम नहीं रहे हैं। हर बार मुझे समय में पीछे जाकर महिलाओं के जीवन में घटी उन दर्दनाक घटनाओं को याद करना पड़ता है, जिन्हें साधारण भाषा में 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' कहा जाता है। मणिपुर में महिलाओं के साथ भयावह घटना ने महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यानाकर्षित किया है। मणिपुर जैसी घटनाएं देश की छवि को तार तार करती है। ऐसा न हो कि समाज टूट जाये और भविष्य में अंधकार छा जाये।

महिलाओं के खिलाफ अपराध बोनसाई बन गए हैं। समाज का स्वरूप चाहे कितना भी प्रगतिशील हो, महिलाओं के खिलाफ घृणित से घृणित अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। जब मैं यह आलेख लिख रही हूँ, देश-दुनिया में कहीं ना कहीं, किसी न किसी महिला के साथ किसी ना किसी प्रकार का अपराध घटित हो ही रहा होगा। मणिपुर जैसी चित्त को तार-तार करने वाली घटनायें अब हमें दहलाती नहीं हैं? महिलाओं के खिलाफ बड़े से बड़े नृशंस अपराध हो जाएं, हम चिंता जता कर, मोमबती जला कर, भाषण देकर आगे निकल जाते हैं। समाज के वैचारिक सड़ांध व मानसिक विकृति को खत्म करने की कोशिश नहीं करते हैं। आखिर कब तक ... यूं ही बेकसूर इनोसेंट महिलाओं की आत्माएं विकृत सोच वाले पुरुषों के घृणित अपराध से छलनी होती रहेंगीं? क्या मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करना हमारे समाज, हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति और पौरुषेय का निर्वस्त्रीकरण नहीं है? राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक, भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के हर घंटे करीब 49 मामले दर्ज होते हैं, रेप के प्रतिदिन करीब 84 मामले दर्ज होते हैं। ये आंकड़े बता रहे हैं कि महिलाओं के खिलाफ अपराध कितने व्यापक स्तर पर होते हैं।

मणिपुर की घटना से मेरा दिल टूटा हुआ है और मेरी आत्मा छलनी हो गई है। मेरी आंखों से आँसू थम नहीं रहे हैं। भारत की राष्ट्रपति भी महिला हैं; महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी। हर बार मुझे समय में पीछे जाकर महिलाओं के जीवन में घटी उन दर्दनाक घटनाओं को याद करना पड़ता है, जिन्हें साधारण भाषा में 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' कहा जाता है। प्रत्येक सरकार जो सत्ता में आती है, हमारे देश में महिला आबादी व समान अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालती है। राजनेताओं का कहना है कि वे समाज में महिला सशक्तिकरण व सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने यह भी देखा है कि समय-समय पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय और राज्यों के उच्च न्यायालयों ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए कड़े आदेश दिये हैं। उन्होंने इस बात पर ज़्यादा ज़ोर दिया है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को कैसे रोका जाए। मणिपुर में महिलाओं के साथ भयावह घटना ने महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यानाकर्षित किया है। जैविक रूप से एक पुरुष व एक महिला अलग प्रकृति से ज़रूर बने होते हैं, लेकिन व्यक्तित्व रूप से समान होते हैं। फिर दोनों लिंगों के प्रति दृष्टिकोण में अंतर क्यों है? पिछले तीन दशकों से मैंने महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों का अध्ययन किया है। मैं उन लोगों में से थी जिन्होंने भारत में मतदान की उम्र 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने का विचार; तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दिया था। मेरा हमेशा से यह दृढ़ विश्वास रहा है कि हमारे देश के शासन में युवाओं को अधिक शक्ति दी जानी चाहिए। महिला सशक्तिकरण के लिए सरकारी स्तर पर इतनी कोशिशों के बावजूद आज महिलाएं समाज में हाशिए पर क्यों हैं? वो इतना वलनरेबल क्यों हैं? सरकार, पुलिस तंत्र, न्याय तंत्र मिल कर भी महिलाओं को सुरक्षा बोध क्यों नहीं करवा पा रहे हैं? मणिपुर जैसी घटनाएं क्यों

घटित हो रही हैं? इस पर मुख्य न्यायाधीश डॉः डी वाई चंद्रचूड व उनकी खंड पीठ ने मणिपुर सरकार व केंद्र सरकार के किसी भी आश्वासन को स्वीकार नहीं किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं ही मणिपुर की भयानक घटना पर संज्ञान लिया था। आज हमें उन भयावहताओं को याद करना होगा, जिनसे महिलाएं गुज़री हैं और कैसे उनके साथ अमानवीय क्रूरता का व्यवहार किया गया है, कैसे उन्हें भावनात्मक रूप से प्रताड़ित, परेशान किया गया व उन्हें घुटन का सामना करना पड़ा है। नैना साहनी का 'तंदूर मर्डर केस', शकेरें खलीली को जिंदा दफना दिए जाने के मामले; आज भी हमें परेशान करते हैं। जेसिका लाल कांड, प्रियदर्शिनी मट्टू की निर्मम हत्या, निर्भया कांड ने समाज की सामूहिक चेतना को आक्रोशित किया। संसद द्वारा एक कानून बनाया गया है, 'कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम -2013'। इस कानून ने 'विशाखा दिशानिर्देश' का स्थान लिया है। न्यायमूर्ति जे.एस. वर्मा ने ऐसे नियम और कानून बनाए जिनका अनुपालन हर राज्य के लिए अनिवार्य है। सरकार के वादे व कठोर कानून के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराध कम नहीं हुए हैं। हर साल पिछले साल से अधिक घटनाएं हो रही हैं, घटनाओं की भयावहता बढ़ रही हैं। अब रेप, गैंगरेप, हत्या जैसा घटनाओं में नृशंसता और बढ़ी हैं। हत्या के बाद शव के टुकड़े टुकड़े किए जा रहे हैं? आखिर अपराधियों में इतना मानसिक विकृति क्यों है? आखिर अपराधियों में पुलिस का भय क्यों नहीं रह गया है? हिंदू धर्म में कोई भी धार्मिक समारोह, महिला की उपस्थिति के बिना अधूरा है। उपनिषद, महिलाओं को देवी के रूप में स्तुति करते हैं। पवित्र 'कुरान' माँ को महत्व देती है और उसके बाद पिता को! यदि आप अपने माता-पिता से प्यार व उनका सम्मान नहीं करते हैं, तो कोई भी धर्म आपकी प्रार्थना स्वीकार नहीं करेगा। श्री गुरु ग्रंथ साहिब में एक श्लोक है: एक माँ अपने बेटे के अपराधों पर ध्यान नहीं रखती। हे भगवान, मैं आपका बेटा हूँ। आप मेरे पापों को नष्ट क्यों नहीं करते? माँ एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी होती है। पवित्र बाइबल कहती है कि माँ मैरी प्रभु यीशु की माँ है। फिर समाज में बर्बर पुरुषों का एक ऐसा वर्ग क्यों है, जो मनोरोगी अपराधी हैं? ये बर्बर पुरुष महिलाओं के साथ घृणा, शत्रुता व अवमानना का व्यवहार करते हैं। माँ अपने जीवन की आखिरी सांस तक अपने लड़के या लड़की की देखभाल करती है। फिर ऐसा क्यों है कि हम माँ, पत्नी, बहन या बेटी का सम्मान नहीं करते? समाज महिलाओं के प्रति इतना बर्बर क्यों हो गया है? मैं एक महिला हूँ और मैं उस दर्द को समझती हूँ जो एक माँ, पत्नी, बेटी, बहन या हमारी महिला मित्रों के साथ दुर्व्यवहार होने पर होता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय में पहली महिला न्यायाधीश के रूप में न्यायमूर्ति फातिमा बेगम थीं। जस्टिस भानुमति, इंदु मल्होत्रा, इंदिरा बनर्जी, बी.वी. नागरत्ना, बेला त्रिवेदी आदि भारत के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचीं। स्त्रियों के संबंध में भगवद्गीता कहती है, सभी महिलाओं का सम्मान हो। (गीता 932.3)। इसके बाद भी व्यवहार में महिलाओं के प्रति समानता का भाव उत्पन्न नहीं हो सका है। संविधान बेशक पुरुष व महिला को समान अधिकार देता है, लेकिन समाजिक स्तर पर, परिवार के स्तर पर अभी भी महिलाओं को भेदभाव का सामना करना पड़ता है।

आइए जाति, धर्म व लिंग भेद से ऊपर उठकर अपने सपनों का एक ऐसा भारत बनाएं, जहां महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा मिले। यह अगस्त का माह है, इसमें हम स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। इस दिन हमारा संकल्प महिलाओं को सम्मान व सुरक्षा का होना चहिए। मणिपुर जैसी घटनाएं देश की छवि को तार तार करती है। ऐसा न हो कि समाज टूट जाये और भविष्य में अंधकार छा जाये, क्योंकि हम भारत के लोगों को महिला सशक्तीकरण का हिस्सा बनना है। सत्यमेव जयते।

(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

जन्मदिन विशेष

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के राजनैतिक-सांस्कृतिक उत्तरण

छत्तीसगढ़ के वर्तमान राज्यपाल और आंध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन एक आकर्षक और गतिशील राजनीतिक और बौद्धिक व्यक्तित्व के स्वामी हैं। इस लेख का उद्देश्य पाठकों के लिए राजनीति, साहित्य, नाटक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य के क्षेत्र में उनके व्यक्तित्व के विविध पक्ष को उजागर करना है। पूर्वी ओड़ीशा के पुरी जिले में वाणपुर रियासत के एक राज परिवार में विश्वभूषण का जन्म 1 अगस्त, 1934 को हुआ था। उनके पिता स्वर्गीय परशुराम हरिचंदन एक साहित्यकार, नाटककार और एक स्वतंत्रता सेनानी थे। आजादी के बाद वे अविभाजित पुरी जिला परिषद की शुरुआत से लेकर समाप्ति तक इसके उपाध्यक्ष रहे। ओडिशा में योद्धाओं और स्वतंत्रता सेनानी परंपरा के परिवार से आने वाले विश्व भूषण अपने पिता और उनके ऐतिहासिक अतीत से बहुत प्रभावित थे। 1817 तक खुर्दा आखिरी स्वतंत्र किला था, जहां वक्सी जगबंधु और उनके वंश ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और ओड़िशा के स्वतंत्रता इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी थी। एक स्वतंत्रता सेनानी के वंशज के रूप में, हरिचंदन अपने छात्र जीवन से ही एक बहादुर और नेक व्यक्ति थे और उनके बचपन ने उनके भविष्य में नेतृत्व के लिए मार्ग प्रशस्त किया। विश्व भूषण हरिचंदन ने पुरी के एस.सी.एस. कॉलेज से अर्थशास्त्र में ऑनर्स की डिग्री पूरी की। और 1957-59 में मधुसूदन लॉ कॉलेज कटक से एलएलबी की डिग्री पास की। उन्होंने सुप्रिया हरिचंदन से शादी की और उनके दो बेटे पृथ्वीराज और प्रसेनजीत हैं। पृथ्वीराज अब ओडिशा में बीजेपी के महासचिव हैं। विश्वभूषण हरिचंदन, 1962 में ओडिशा उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में शामिल हुए और एक सफल वकील बन गए। कटक में बौद्धिक और रचनात्मक लोगों के साथ हने के कारण उन्हें अपने फुरसत के समय में एक नाटककार और एक लेखक बनने का मौका मिला। वे मातृभूमि के सच्चे देशभक्त हैं। वकालत के पेश में सफल पारी के बाद उन्होंने राजनीति में शामिल होने का मन बनाया। वे 1971 में भारतीय जनसंघ में शामिल हुए। जल्द ही वे ओडिशा में एक प्रमुख नेता बन गए। हरे कृष्ण महताब, बीजू पटनायक जैसे नेता और उनके समकालीन वरिष्ठ उनके नेतृत्व का बहुत सम्मान करते थे। उन्होंने ऐतिहासिक व्यक्तित्व जय प्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन में शामिल हुए और लोकतंत्र के खतरे के खिलाफ लड़ाई लड़ी। आपातकाल के दौरान उन्हें कई महीनों तक जेल में रखा गया था। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन एक्शन कमेटी के अध्यक्ष के रूप में श्री हरिचंदन ने 1974 में सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के खिलाफ ओडिशा में वकीलों के आंदोलन का नेतृत्व किया और श्रीमती इंदिरा गांधी, तत्कालीन प्रधान मंत्री के तानाशाही शासन के खिलाफ जनता की राय लगाई। ओडिशा की राजनीति के दिग्गज हरिचंदन पांच बार 1977, 1990, 1996, 2000 और 2004 ओडिशा राज्य विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 2000 का विधानसभा अपने निकटतम प्रतिद्वंवी के खिलाफ 95,000 वोटों के अंतर से जीता और ओडिशा में पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। श्री हरिचंदन चार बार 1977, 1990, 2000, 2004, और 2009 तक ओडिशा सरकार में मंत्री रहे। अपने मंत्रिस्तरीय कार्यकाल के दौरान उन्होंने राजस्व, कानून, ग्रामीण विकास, उद्योग, खाद्य और नागरिक आपूर्ति, श्रम और रोजगार, संसाधन विकास विभाग, आवास, सांस्कृतिक मामले, मत्स्य पालन और पशु जैसे महत्वपूर्ण विभागों के प्रबंधन किया। वह 1980 में ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष थे और 1988 तक तीन बार राष्ट्रीपति के रूप में नामांकित हुए। वह 13 वर्षों तक यानी 1996 से 2009 तक राज्य विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता भी रहे। सरकारों में, उन्होंने एक बहुत ही प्रमुख भूमिका निभाई, जिसके लिए वे लोगों की नजारों में बने रहे। वे हमेशा लोगों के मुद्दों को उठाते हैं और लड़ते हैं, जिसके लिए लोगों, प्रशांसकों और राजनेतओं द्वारा उनका बहुत सम्मान किया जाता है, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों। उनके साहित्यिक योगदान हैं 'महा संग्राम महानायक', 1817 की पाईक क्रांति के सर्वाच्च क्रान्तिकारी बक्सी जगबंधु पर एक नाटक, ओर छह एकांकी नाटक यथा मरूवतास, राणा, प्रताप, शेष झलक, मेवाड की महारानी पद्मिनी , अस्तशिखा, वीरतापूर्ण युद्ध और बलिदान की गाथा तापंग की दलबेहेरा, सामाजिक नाटक मानसी, और पौराणिक नाटक अभिशप्त कर्ण प्रमुख रचना है। स्वच्छ शाशन की गहन कथा, उनकी 24 लघु कहानियों का संकलन और माटीर डाक उनक कुछ चयनित प्रकाशित लेखों का संकलन है। "संग्राम साडी नाहीं", उनकी आत्मकथा, जो उनके लंबे सार्वजनिक जीवन के दौरान राजनीतिक, प्रशासनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और अन्य क्षेत्रों में उनके संघर्षों पर केंद्रित है। अटलबिहारी बाजपेयी ओर लाल कृष्ण आडावाणी के वरिष्ठ समकालीन के रूप में, हरिचंदन एक अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं, जिनके पास कानून और शासन, संवैधानिक प्रावधान और सामाजिक-सांस्कृतिक समझ पर शानदार ज्ञान है। एक आलोचक और रचनात्मक लेखा के रूप में, उन्होंने सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक अव्यवस्था पर प्रकाश डाला है और अन्याय से लड़ने की नेतृत्व लिए है। एक स्पष्टवादी और न्यायप्रिय व्यक्ति के रूप में उन्होंने कभी भी कानून के साथ दिया अन्याय का विरोध किया और समझौता नहीं किया और राज्य के खिलाफ अनियंत्रित नहीं हुए। उनके लिए सुशासन राजनेताओं की क्षमताओं पर निर्भर है। लोकतांत्रिक विचाराधारा के सच्चे प्रेमी के रूप में, श्री हरिचंदन हमेशा इस देश की आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आदर्श रहे हैं। छत्तीसगढ़ के प्रति उनका मानना है कि आर्य संस्कृति और धर्म ऊपरी महानदी से होते हुए ओडिशा तक प्रवाहित हुए हैं, जिससे छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सांस्कृतिक एकता बनी है।

- **डॉ. महेंद्र कुमार मिश्र** (राष्ट्रीय सलाहकार बहु भाषिक शिक्षा, रायपुर)

संपूर्ण ब्रह्मांड है शिव जी का रूप

श्रीश्री रविशंकर

चिंतन

जिस क्षण आपका तन अस्तित्व में आया, यह मात्र एक कोशिका के रूप में था। एक कोशिका आपका पूरा शरीर बन गई। उस कोशिका को ठीक-ठीक ज्ञात था कि आंखें कहां बनानी हैं, कान कहां बनाने हैं, गुर्दे कहां होने चाहिए, हृदय कहां होना चाहिए और एक कोशिका ने स्वयं को कई अलग-अलग ढंग से गुणित किया, जैसे कि नाखून, केश, जिह्वा, मांसपेशियां, अस्थियां और शरीर के अन्य सभी अंग। क्या कभी आपने इस बारे में सोचा है? एक कोशिका ने बहुगुणित होकर मानव शरीर के इतने सारे अंग बनाए। मानव शरीर एक है, फिर भी यह अपनी प्रकृति और बनावट में बहुत विविधता पूर्ण है। विविधता में यह एकता संपूर्ण सृष्टि में भी नजर आती है। संपूर्ण सृष्टि में सूर्य, चंद्रमा, तारे, वायु, बादल, जल, पृथ्वी एक ही पदार्थ से बने हैं। हर वस्तु एक तत्व से बनी है। उस एक तत्व को शिव कहा जाता है, जिसकी हम श्रावण के इस शुभ महीने में पूजा करते हैं। शिव तत्व के बारे में बात करना बहुत कठिन है क्योंकि इसे केवल महसूस किया जा सकता है। शब्द बहुत निकट जाते हैं लेकिन वापस लौट आते हैं। क्या शिव कोई सत्ता है? क्या उसका कोई रूप है? क्या वह किसी स्थान पर विराजमान कोई व्यक्ति है? नहीं, शिव संपूर्ण ब्रह्मांड हैं। शिव तत्व वह है जहां से सब कुछ आया है, सब कुछ स्थित है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। ऐसा कोई मार्ग नहीं है कि आप किसी भी समय शिव तत्व से बाहर निकल सकें क्योंकि शिव ही संपूर्ण सृष्टि हैं।

शनिदेव को पिप्पलाद मुनि ने दिया श्राप

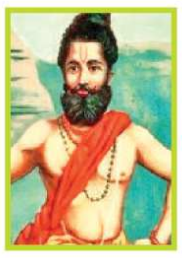

संकलित

प्रेरणा

पुराने समय में वृत्तासुर नाम के एक असुर का आतंक बढ़ गया था। इस असुर को सभी देवता पराजित नहीं कर पा रहे थे। उस समय दधिचि ऋषि ने देवताओं से कहा कि मेरे शरीर की हड्डियों से आप वज्र नाम का शस्त्र बनाइए और उस वज्र से वृत्तासुर का अंत हो जाएगा। देवताओं की भलाई के लिए दधिचि ऋषि ने अपनी देह त्याग दी और बाद में देवताओं ने ऋषि की हड्डियों से वज्र बनाया। देवराज इंद्र ने इस वज्र से असुरों को पराजित कर दिया। दधिचि मुनि के पुत्र का नाम पिप्पलाद था। दधिचि के पुत्र का जन्म पीपल के नीचे हुआ था, इस कारण इस बच्चे का नाम पिप्पलाद रखा गया। बच्चे के जन्म से पहले ही दधिचि की मृत्यु हो गई थी। जब पिप्पलाद बड़े हुए तो उन्होंने देवताओं से पूछा कि मेरे पिता की इतनी जल्दी मृत्यु कैसे हो गई। उस समय उन्हें मालूम हुआ कि शनि की अशुभ दृष्टि की वजह से दधिचि मुनि की मृत्यु का योग बना है। वे बड़े तपस्वी थे। जब उन्हें मालूम हुआ कि शनि के कारण उनके पिता की जल्दी मृत्यु हुई तो उन्होंने शनि को ग्रह मंडल से हटने का शाप दे दिया। शाप के असर से शनि ग्रह मंडल से हटने लगे तो सभी देवताओं ने पिप्पलाद मुनि से अपना शाप वापस लेने की प्रार्थना की। देवताओं की प्रार्थना से पिप्पलाद मुनि ने शनि को क्षमा कर दिया, लेकिन उन्होंने से शनि से कहा कि अब से किसी बच्चे को 16 वर्ष की उम्र तक शनि दोष का सामना न करना पड़े, शनि बच्चों पर अशुभ दृष्टि नहीं डालेंगे।

अंतर्मन

आज की पाती

अभद्र टिप्पणी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो

देश के सर्वोच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश को कुछ तथाकथित फ्रस्टेटिड यानी निराशावादी लोगों ने अभद्र टिप्पणियां करके बेइज्जत किया है। सरकार को चाहिए कि वह सोशल मीडिया पर इस तरह की अभद्र टिप्पणी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करे। सोशल मीडिया पर आजकल मनमाफिक सामग्री प्रसारित की जा रही है जिसका लक्ष्य अक्सर विरोधियों को नीचा दिखाना होता है। सरकार को ऐसे प्रबंध करने चाहिए कि इस तरह की सामग्री का प्रसारण सोशल मीडिया पर न हो पाए। नागरिक समाज को भी शिक्षा दी जानी चाहिए कि इस तरह की सामग्री का प्रसारण करके कोई राष्ट्र हित हासिल नहीं किए जा सकते हैं।

- **रविंद्र जोशी**, बिलासपुर

ट्रेंड

उन्हें डर लग रहा है

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने लाल डायरी के पन्ने सामने लाकर एक सच तो साबित कर दिया कि गहलोत जी ने विस में गुंडागर्दी क्यों कराई? सीएम साहब ने बेटे का राजनीतिक करियर बनाने के लिए सारे हथकंडे अपनाए हैं। तभी तो उन्हे डर लग रहा है।

-गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री

पद छोड़ दें मुख्यमंत्री

मणिपुर सरकार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के अभियोग को दिल्ली में पीएमओ और इंफाल में सीएमओ तक पहुंचने में कितना समय लगेगा? यदि मणिपुर में संवैधानिक नैतिकता की थोड़ी भी समझ है, तो उन्हें तुरंत पद छोड़ देना चाहिए।

-पी. चिदंबरम, कांग्रेस नेता

असहमत नहीं हो सकते

जब तक ऐसे कुछ मुद्दे न हों जिनमें आप अपने राजनीतिक दल से थोड़ा भी असहमत हों, तब तक आप किसी राजनीतिक दल में नहीं हैं, आप एक पंथ में हैं। किसी भी दल से जुड़ने की पहली शर्त यह हो गई है कि आप किसी भी तरह असहमत नहीं हो सकते।

-एलन मास्क, उद्योगपति

बहुत काम करना पड़ा

कोरियोग्राफर शबीना खान, जिन्होंने गदर 2 के सभी गाने किए हैं, को सकीना के किरदार में ढलने और 21 साल की मां की भूमिका निभाने के लिए उन्हें और अधिक परिपक्व दिखाने के लिए अमीषा पटेल के लुक पर बहुत काम करना पड़ा।

-अमीषा पटेल, अभिनेत्री

करंट अफेयर

पोलैंड ने बेलारूस की सीमा पर भेजी सेना

रूस के खिलाफ यूक्रेन की खुलकर मदद कर रहे नाटो सदस्य देश पोलैंड की सेना ने देश की पूर्वी सीमा पर अपने सैनिकों को भेजा है। यह सीमा बेलारूस से सटी हुई है जो रूस का करीबी सहयोगी देश है। पोलैंड का कहना है कि बेलारूस के दो हेलिकॉप्टरों ने उसकी हवाई सीमा का उल्लंघन किया है। इस घटना के बाद तनाव बढ़ गया है। रूस ने हाल ही में बेलारूस को परमाणु बम दिया है और तानाशाह लुकाशेंको ने कई बार वैगनर वद्रिोहियों का नाम लेकर चेतावनी भी दी है। इस बीच बेलारूस की सेना ने इस तरह के हवाई अतिक्रमण की घटना का खंडन किया है और आरोप लगाया कि पोलैंड अपनी सेना को तैनात करने के कारणों को सही ठहराने के लिए इस तरह के आरोप लगा रहा है। इससे पहले बेलारूस के तानाशाह ने पोलैंड पर तंज कसा था और कहा था कि रूस के वैगनर लड़ाके पोलैंड की सीमा के पास मौजूद हैं। इसके बाद पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि वह अतिरिक्त सैनिक और संसाधन भेज रहा है जिसमें लड़ाकू हेलिकॉप्टर शामिल हैं। पोलैंड ने यह भी कहा कि उसने नाटो को भी इस सीमा उल्लंघन के बारे में बता दिया है। साथ बेलारूस के राजदूत को तलब करके स्पष्टीकरण मांगा गया है।

ऑफ बीट

अंटार्कटिका में ग्रीनलैंड से बड़ा बर्फ का टुकड़ा गायब

हम गर्मी की घातक लहरें, जंगल की भीषण आग और रिकॉर्ड वैश्विक तापमान से गुजर रहे हैं। लेकिन आग की लपटों से दूर, ग्रह के सबसे दक्षिणी सिरे पर, कुछ चौंकाने वाला घटित हो रहा है। इस गर्मी में तापमान रिकॉर्ड न्यूनतम सीमा तक पहुंचने के बाद अब खुले समुद्र का क्षेत्र ग्रीनलैंड से भी बड़ा है। यदि 'लापता' समुद्री बर्फ एक देश होता, तो यह दुनिया का दसवां सबसे बड़ा देश होता। तैरती हुई समुद्री बर्फ एक महत्वपूर्ण जलवायु पहेली है। हर साल अंटार्कटिक समुद्री बर्फ में परिवर्तन होता है। फरवरी में इसकी न्यूनतम गर्मी से, सर्दियों के जमने के दौरान इसका क्षेत्रफल छह गुना से अधिक बढ़ जाता है जो सितंबर में अपने चरम पर पहुंच जाता है। पिछले सात वर्षों में, अंटार्कटिक समुद्री बर्फ में नाटकीय रूप से बदलाव आया है। दो साल पहले रिकॉर्ड उच्च स्तर के बाद, 2016 के अंत में समुद्री बर्फ की मात्रा नाटकीय रूप से गिरकर फरवरी 2017 में न्यूनतम रिकॉर्ड स्तर पर आ गई। इसके बाद लगातार निम्न वर्ष आए और फरवरी 2022 में दक्षिणी गोलार्ध में गर्मियों का रिकॉर्ड फिर से टूट गया और सबसे हाल ही में 2023 में 17 लाख 90 हजार वर्ग किलोमीटर की एक नई न्यूनतम सीमा दर्ज की गई, जो पिछले साल की गर्मियों के रिकॉर्ड से लगभग 10% कम है।

जी 20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को पीएम मोदी ने किया संबोधित

महिलाएं समृद्ध होंगी तो दुनिया भी समृद्ध होगी

कार्यक्रम में यह भी कहा- देश में महिला नेतृत्व वाला विकास हमारी प्रमुख प्राथमिकता

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास भारत सरकार की एक प्रमुख प्राथमिकता रही है। महिला सशक्तिकरण पर जी 20 मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है। उनका आर्थिक सशक्तिकरण विकास को बढ़ावा देता है, शिक्षा तक उनकी पहुंच वैश्विक प्रगति को बढ़ावा देती है। उनका नेतृत्व समावेशिता को बढ़ावा देता है और उनकी आवाजें सकारात्मक बदलाव को प्रेरित करती हैं। यह सम्मेलन गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया गया है। सम्मेलन की शुरुआत पीएम मोदी के विशेष वीडियो संदेश के माध्यम से की गई। इस सम्मेलन की अध्यक्षता महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी करेंगी।

तीन दिनी सम्मेलन का विषय 'अंतर-पीढ़ीगत परिवर्तन के शिखर के रूप में महिलाओं के नेतृत्व वाला समावेशी विकास' है।

'महिला-नेतृत्व वाला विकास दृष्टिकोण 'पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने का सबसे प्रभावी तरीका महिला-नेतृत्व वाला विकास दृष्टिकोण है। भारत इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। हमें उन बाधाओं को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, जो बाजारों और वैश्विक मूल्य श्रृंखला तक महिलाओं की पहुंच पर प्रतिबंध लगाती हैं।हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि देखभाल और घरेलू काम के बोझ को उचित रूप से संबोधित किया जाए।

नया कार्य समूह स्थापित करेंगे

पीएम ने इस बात पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की अध्यक्षता में महिला सशक्तिकरण पर एक नया कार्य समूह स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक प्रेरणादायक उदाहरण बताते हुए पीएम ने कहा कि वह एक साधारण आदिवासी पृष्ठभूमि से आती हैं, लेकिन अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करती हैं ।

देश में महिला सशक्तिकरण के प्रयास तेज

पीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिलाओं को स्वीकृत किए गए हैं। स्टैंड अप इंडिया के तहत 80 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। गुजरात राज्य में डेयरी क्षेत्र के विकास में महिलाओं की भूमिका अहम है। गुजरात में डेयरी क्षेत्र से 36 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। विशेष रूप से, जहां तक भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले यूनिकॉर्न का संबंध है, ऐसे यूनिकॉर्न का संयुक्त मूल्य 40 बिलियन डॉलर से अधिक है।

आज माइंडफुलनेस मेडिटेशन सत्र

गुरुवार को सुबह-सुबह माइंडफुलनेस मेडिटेशन सत्र आयोजित किया जाएगा। इसके बाद पूरे दिन विभिन्न विषयों पर मंत्रिस्तरीय चर्चा होगी। इसमें महिला और अंतरिक्ष, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण की शक्ति, जलवायु लचीलापन कार्रवाई-महिलाओं के स्वास्थ्य और खेती पर प्रभाव, जलवायु लचीलापन कार्रवाई में चेंजमेकर्स के रूप में महिलाएं और लड़कियां, जमीनी स्तर पर नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी और महिला उद्यमिता और उद्यम जैसे विषय शामिल हैं। बैठक में जी20 सदस्यों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि मंडलों के प्रमुखों के नेतृत्व में 150 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

खबर संक्षेप

केरल में अमेरिकी महिला के साथ गैंगरेप

नई दिल्ली। केरल के कोल्लम में एक 44 साल की अमेरिकी महिला के साथ गैंग रेप का मामला सामने आया है। महिला को नशीला पदार्थ पीलाने के बाद दो आरोपी उसे अपने साथ अज्ञात स्थान पर ले गए, जहां उसके साथ कई बार रेप किया गया। पुलिस ने इस वारदात में लिप्त दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित महिला एक आश्रम में रुकी हुई थी।

निकोबार द्वीप समूह में भूकंप के तेज झटके लगे

नई दिल्ली। अंडमान निकोबार द्वीप समूह में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने बताया कि रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.0 दर्ज की गई। भूकंप सुबह करीब 5:40 बजे आया, जिसकी गहराई 10 किमी दर्ज की गई। फिलहाल अभी तक जानमाल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। शनिवार को भी झटके लगे थे।

मानहानि केस में गहलोत 7 को पेश हों

जयपुर। केंद्रीय जल मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मानहानि मामले में सीएम गहलोत की पेशी के समन पर दिल्ली की एक कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अब 7 अगस्त को राउज एवेन्यू कोर्ट में सीएम अशोक गहलोत को पेश होना होगा। गहलोत ने राउज एवेन्यू कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की थी। शेखावत ने कहा, चोट का बहाना कर वे बचना चाहते थे।

यूजीसी ने 20 विवि को फर्जी घोषित किया

नई दिल्ली। यूजीसी ने बुधवार को 20 विश्वविद्यालयों को फर्जी घोषित कर दिया और उन्हें कोई भी डिग्री प्रदान करने का अधिकार नहीं है, जबकि दिल्ली में ऐसे आठ संस्थान हैं, जो सबसे अधिक हैं। सचिव मनीष जोशी ने कहा कि यूजीसी के संज्ञान में आया है कि कई संस्थान यूजीसी के प्रावधानों के विपरीत डिग्री प्रदान कर रहे हैं। इनकी डिग्री अमान्य होगी।

जमीर 29 लड़कियों की शिक्षा का जिम्मा लेंगे

बेंगलुरु। मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। यहां के दो समुदाय के विवाद के चलते शुरू हुई हिंसा पर राजनीति शुरू हो चुकी है।वहीं इस सबके बीच कर्नाटक के मंत्री ने अपने जन्मदिन पर सराहनीय पहल करते हुए मणिपुर की 29 लड़कियों की शिक्षा समेत अन्य खर्चे वहन करने की पहल की है। मंत्री ने अपने जन्मदिन पर ये नेक काम करने का ऐलान किया है।

संसद में तनातनी नहीं रुक रही, सरकार ने विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्षी दलों को चर्चा में दिलचस्पी नहीं, हम हर आरोपों का जवाब देंगे

केंद्र ने विपक्ष पर फोड़ा कार्यवाही न चलने का ठीकरा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि विपक्षी दल मणिपुर के मुद्दे पर संसद में चर्चा से भाग रहे हैं क्योंकि उन्हें चर्चा में कोई दिलचस्पी नहीं है और वे जानते हैं कि सरकार के पास उनके सवालों का उपयुक्त जवाब है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन सौंपे जाने के बाद भाजपा की यह प्रतिक्रिया आई है। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। गृह मंत्री ने मणिपुर का दौरा किया था और वह जवाब देने के लिए तैयार हैं। मैं नहीं समझ पा रहा हूं कि विपक्ष की क्या समस्या है। जनता भी नहीं समझ पा रही है।थ भाजपा नेता सुशील मोदी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते कहा कि इसके नेता मणिपुर का दौरा कर सकते हैं और राष्ट्रपति से मुलाकात कर सकते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर संसद में चर्चा में भाग नहीं ले सकते। इस तरह का विपक्ष का रवैया पूरी तरह अनुचित है। विपक्ष आसंदी का भी अपमान कर रहा है। आखिरकार वनसंरक्षण और खनिज संबंधी विधेयक पास कर दिए।

विपक्ष चर्चा से भाग रहा

सुशील मोदी ने कहा कि विपक्ष की यह मांग तर्कसंगत नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी को सदन में बयान देना चाहिए क्योंकि सरकार सामूहिक जिम्मेदारी के साथ काम करती है और संबंधित मंत्री अमित शाह जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष दल जानते हैं कि उनकी ओर से किए जाने वाले सभी प्रश्नों का जवाब सरकार के पास है और इसलिए वे चर्चा से भाग रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार ने बार-बार कहा है कि वह हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष तैयार नहीं है। वह कामकाज को बाधित करना चाहता है।

मणिपुर पर राजनीति कर रहा विपक्षः अनुराग

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को विपक्ष पर मणिपुर मुद्दे का राजनीतिकरण करने और संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया।मंत्री ने विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, विपक्षी सांसद (मणिपुर पर) चर्चा से भाग रहे हैं। वे मणिपुर जा सकते हैं, लेकिन (पश्चिम) बंगाल और राजस्थान नहीं। वे केवल राजनीति कर रहे हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार और अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार पर कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर हमला किया।

विपक्षी गठबंधन ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दल के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात कर उनसे आग्रह किया कि वह पीएम नरेंद्र मोदी से मणिपुर के मुद्दे पर संसद में वक्तव्य देने के लिए कहें। इस डेलीगेशन में अलग-अलग विपक्षी दलों के कुल 21 नेता शामिल थे. राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे लेकर जानकारी दी. जिसमें उन्होंने कहा कि मणिपुर को लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा गया है, राष्ट्रपति ने आश्वासन दिया है कि वो इसे लेकर विचार करेंगी। उन्होंने यह मांग भी की है कि मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए पीएम मोदी को राज्य का दौरा करना चाहिए।

सरकार नहीं चाहती चर्चा हो, मेरा माइक बंद कर रहे

मणिपुर हिंसा को लेकर विपक्षी दल लगातार हमलावर हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राष्ट्रपति से मणिपुर में जो हो रहा बातचीत हुई। खरगे ने दोहराया कि उन्हें संसद में बोलने से रोका जा रहा है। मेरे माइक को बंद कर दिया जाता है। मैं जब उठता हूं दो सेकंड में ही मेरा माइक बंद कर देते हैं।

भाजपा ने जारी किया व्हिप

सभी सांसद आज सदन में रहें मौजूद

भाजपा ने अपने लोकसभा सांसदों के लिए बुधवार को व्हिप जारी किया है। उन्होंने सभी सांसदों को गुरुवार को सदन में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा किगुरुवार को दिनभर सदन में उपस्थित रहने को कहा है। मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए दिल्ली सेवा विधेयक पर सदन में चर्चा होनी है। सरकार इसे लोकसभा से पारित कराना चाहती है। भाजपा ने अपने लोकसभा सांसदों को सरकार के रुख और कुछ विधायी कार्यों का समर्थन करने के लिए गुरुवार को पूरे दिन उपस्थित रहने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

नाबालिग पर भी लग सकता है गैंगस्टर एक्ट

एजेंसी ▶▶ इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नाबालिग पर गैंगस्टर एक्ट लगाने के मामले में अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि नाबालिग पर भी गैंगस्टर एक्ट लग सकता है, कानून में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है। कोर्ट ने अपराध के समय नाबालिग, बालिग होने पर दर्ज गैंगस्टर एक्ट की प्राथमिकी रद्द करने से इंकार कर दिया।इलाहाबाद उच्च न्यायलय ने कहा है कि नाबालिग के खिलाफ भी गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की जा सकती है।

याची ने एफआईआर रद्द करने की मांग उठाई

कोर्ट ने कहा कि आपराधिक केस चार्ट में शामिल अभियुक्त यदि नाबालिग था, इससे गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही पर फर्क नहीं पड़ेगा। कोर्ट ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि अपराध चार्ट में शामिल तीन केसों को दर्ज करते समय याची नाबालिग था और उसकी आयु 16 से 17 वर्ष की थी। याची ने मांग की थी कि नाबालिग होने पर गैंगस्टर एक्ट की एफआईआर अवैध है, इसे रद्द किया जाए।

20 माह की बच्ची से गैंगरेप-हत्या

सूरत कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा, जुर्माना भी ठोका

एजेंसी ▶▶ सूरत

गुजरात में सूरत की स्पेशल कोर्ट ने 20 माह की नवजात बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में 23 वर्षीय व्यक्ति को फांसी की सजा सुनाई। यह मामला फरवरी का है। इस्माइल उर्फ इस्माइल यूसुफ हाजात को जज शंकुतला सोलंकी 31 जुलाई को अपराध के लिए दोषी ठहराया। कोर्ट ने इस्माइल को हत्या और 376एबी (12 साल से कम उम्र की लड़की से बलात्कार) और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत फांसी की सजा सुनाई है।

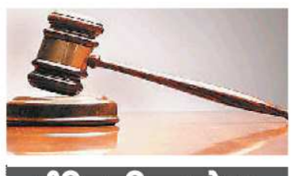

पीड़ित परिवार को 10 लाख देने का आदेश

इसके साथ ही कोर्ट ने पीड़िता के परिवार की वित्तीय स्थिति पर ध्यान दिया और आदेश दिया कि दोषी उसके परिवार को 10 लाख रुपए का भुगतान करेगा। एडवोके सुखदवाला ने बताया कि बच्ची के शरीर पर गंभीर चोटें थी। उसके पेट के हिस्से पर काटने के निशान थे।

लाल डायरी पर धारीवाल हुए लाल

गुढ़ा विद्रोही, वे कांग्रेस से बाहर निकाले जाएंगे

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में बर्खास्त किए गए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा और उनकी लाल डायरी ने उथल-पुथल मचा दी है। बुधवार को गुढ़ा ने लाल डायरी के कुछ हिस्से मीडिया के सामने पढ़े तो प्रदेश की सियासत गरमा गई। भारी हंगामे के बीच विधानसभा की कार्रवाई बेमियादी स्थगित कर दी गई। गलाल डायरी को लेकर लगाए गए आरोपों, विधानसभा में भाजपा विधायकों के हंगामे और किसान कर्ज माफी के लिए लाए गए राहत आयोग जैसे मुद्दों पर संसदीय कार्यमंत्री शांति कुमार धारीवाल और मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने बात रखी। धारीवाल ने गुढ़ा को विद्रोही बताया। उन्हें बाहर किया जाएगा। भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए षड्यंत्र रचा गया है।

संविधान पीठ के समक्ष बोले सिब्बल

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को कभी नहीं हटाया जा सकता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील रखी कि संविधान के मुताबिक अनुच्छेद 370 कभी भी हटाया नहीं जा सकता है। मामला पांच सदस्यीय संविधान पीठ में विचाराधीन है, जिसमें सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। सिब्बल ने बहाली की मांग की।

हमें न्याय की उम्मीदः उमर

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट से न्याय की उम्मीद है। वहां जो कुछ भी हुआ वह गलत था। यह संविधान और कानून के खिलाफ था। हमें शिकायतें सामने रखने का अवसर मिला है।

एयरबस बेलुगा धरती पर उतरा

हैदराबाद। व्हेल के आकार का एयरबस बेलुगा, जो दुनिया के सबसे बड़े मालवाहक विमानों में से एक है, हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

वैश्विक शांति के लिए गुरुदेव को मिला सम्मान

होवार्ड, मैरीलैंड और टेक्सास में मनेगा श्री श्री रविशंकर डे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक शांति के प्रयासों के लिए आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर को बड़ा सम्मान मिला है। रविशंकर एकमात्र भारतीय आध्यात्मिक गुरु हैं, जिन्हें वैश्विक शांति स्थापना में योगदान के लिए 30 यूएस कैनेडियन सिटीज ने सम्मानित किया है। अब से होवार्ड काउंटी, मैरीलैंड और टेक्सास में श्री श्री रविशंकर डे मनाया जाएगा।टेक्सास के गवर्नर ने युद्ध में तबाह हुए क्षेत्रों में श्री श्री के शांति स्थापना के प्रयासों की प्रशंसा की है। उनकी प्रतिबद्धता उत्साह व खतरनाक कैदियों को परामर्श को सराहनीय बताया।

साधकों का मार्गदर्शन किया

गुरुदेव और उनके संस्थान के अपार योगदान, ध्यात्म और सेवा भाव से लोगों के जीवह में बदलाव लाने के लिए होवार्ड काउंटी में 22 जुलाई, बर्मिंघम में 25 जुलाई और टेक्सास में 29 जुलाई को श्री श्री रविशंकर डे मनाया जाएगा। इन शहरों में गुरुदेव का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यक्रमों में गुरुदेव विभिन्न पृष्ठभूमि, जाति एवं लिंग के हजारों साधकों से मिले और उन्हें संबोधित किया। गुरुदेव ने उन्हें अंतरआत्मा की यात्रा पर ले गए।

अजय को दिया आश्वासन- दिसंबर तक प्रोजेक्ट होगा पूरा

सीधी-सिंगरौली एनएच पर जब राज्यसभा में हुई 'सीधी बात' तो मंत्री गडकरी ने कहा मुझे 'गिल्ट' फील होता है

▶▶ नई दिल्ली

मप्र के सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर राज्यसभा में सीधी बात हो गई। तेजतर्रार भाजपा सांसद अजय प्रताप सिंह ने सीधे सीधे सडक एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को घेरते हुए कहा, मंत्री जी आप की देशभर में बडी प्रतिष्ठा है। आपके काम की प्रशंसा होती है मगर हमारे क्षेत्र के लोग पूछते हैं कि मंत्री जी को सीधी-सिंगरौली में क्या हो जाता है? भाजपा सांसद के तेवर आक्रामक थे। उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट को 2008 में मंजूर किया गया था। 15 साल बाद भी नहीं बना है। कारण बताया गया कि भूमि अधिग्रहण नहीं हो पाया है।

इसके साथ ही अजय प्रताप सिंह ने केंद्रीय मंत्री से कहा कि भूमि अधिग्रहण में देरी के लिए क्या वह राज्य सरकार को उनके अधिकारियों की जिम्मेदारी के लिए लिखेंगे कि किनकी वजह से देर हुई है। जवाब में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, मुझे इस सवाल का जवाब देते हुए 'गिल्ट' फील होता है। उन्होंने कहा कि स्थिति, परिस्थिति कुछ ऐसी बनी कि मुंबई-गोवा और सीधी-सिंगरौली एनएच पर किताब लिखी जा सकती है।

ऐसे लगी प्रोजेक्ट पर 'साढे साती'

सांसद के सवाल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जवाब देते हुए कहा कि यह बाद सही है। इस प्रोजेक्ट का काम 2013 में प्रॉयरिटी बेसिस पर गैमन इंडिया को दिया गया था। उस समय काफी समस्या आई और कंपनी काम नहीं कर सकी। बाद में उसे टर्मिनेट कर दिया गया। फिर से नया टेंडर निकालकर काम शुरू किया गया। इसकी लंबाई 105 किमी और लागत 530 करोड़ रुपए है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि इस साल दिसंबर तक हम किसी भी हालत में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने की कोशिशों में लगे हुए हैं। उन्होंने फिर इस अटकी हुई सड़क की कहानी बताते हुए कहा कि पहले यह जब यह काम अटका था तो कोल इंडिया से पैसे मांगकर इस रोड को करने की बात आई थी। इस पर कोल इंडिया के प्रस्ताव आए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। पहली पार्टी फेल हो गई। वह एनसीएलटी में चली गई। उसको टर्मिनेट किया तो वह कोर्ट में चली गई। कोर्ट ने स्टे दिया तो यह अवॉर्ड नहीं हो पाया। दूसरी पार्टी को दिया तो वह अच्छी नहीं निकली। अब प्रक्रिया यह है कि अगर वह काम भी नहीं करता है, तो उसको नोटिस और वक्त देना पड़ता है। वह कोर्ट चला जाता है। यह प्रक्रिया है। उसके किए बिना कुछ कर नहीं पाते हैं। यह सच्चाई है कि उनको बहुत तकलीफ होती है।कंक्रीट रोड बनाने के लिए कांट्रेक्टर से बात की है। उसके पास भी पूंजी भी कमी है। उसको दूर करने के लिए मंत्रालय 33 करोड देगा जिससे उसका वर्किंग कैपिटल पूरा होगा और साथ ही इस परियोजना को अंतिम आकार दिया जा सकेगा।

किशनगढ़ भारतीय खाद्य निगम डिपो आधुनिक नवीनतम टेक्नोलॉजी से हुआ कनेक्ट प्रबंधक

चमकता राजस्थान शंकर लाल शर्मा/ किशनगढ़

किशनगढ़ भारतीय खाद्य निगम डिपो के मैनेजर दयाशंकर मीणा ने अवगत कराया कि खाद्यान्न वितरण मंत्रालय के निर्देशानुसार खाद्यान्न भंडार किशनगढ़ की पत्रकारों को विजिट करवा कर आधुनिक हाईटेक प्रणाली से जुड़ने संबंधी अपनाए के नवाचार की जानकारी सबको उपलब्ध करा गई एफसीआई के तमाम डिपो डाटा ऑपरेटिंग सिस्टम से ऑनलाइन प्रणाली के आधार पर कार्य कर रहे हैं आगामी 6 माह में देश की तमाम डिपो जियो टैगिंग से जुड़ जाएंगे जिससे परिवहन के द्वारा खाद्यान्न प्राप्ति भंडार से लेकर पहुंचने के स्थल वाले डिपो तक जियो टैगिंग सिस्टम से जुड़ने के कारण ऑनलाइन जानकारी हर समय उपलब्ध हो सकेगी तथा इस सिस्टम से पूरी पारदर्शिता के साथ काम होगा किशनगढ़ डिपो मैनेजर यह भी बताया कि चाहे किसी भी प्रांत से ट्रकों में जो परिवहन होगा उसका डिपो गंतव्य स्थल तक पहुंचने हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकेगी एवं अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग बराबर की जाएगी जिसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़झाला होने की संभावना समाप्त हो जाएगी परिवहन से जुड़ी सभी ट्रक जीपीएस सिस्टम से जुड़े हुए रहेंगे इस अवसर पर डिपो के अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने भी ममता शर्मा रमा शर्मा यशपाल सिंह आदि ने विस्तार से सबको जानकारी दी

सर्प दंश से मृतका के परिजनों को सौंपी सहयोग राशि

चमकता राजस्थान

भरतपुर/करौली (राजवीर सिंह) जिले के मासलपुर तहसील के रतियापुरा गांव में विगत 25 जून , रविवार को सर्प के काटने से गीता देवी की मौत हो गई , जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था । उनकी आठ बच्चियां और पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति को देखकर क्षेत्र के सक्रिय युवा जसवंत बैंसला करौली ने अपने सहयोगियों से विचार विमर्श कर सोशल मीडिया के व्हाट्सएप मंच पर आर्थिक मदद हेतु मिशन ग्रुप क्रिएट कर लोगों को जोड़कर 223 भामाशाहों के सहयोग से 52551 रुपए (बामन हजार पांच सौ इक्यावन रुपए) की आर्थिक मदद एकत्रित कर पीड़ित परिवार को सौंपी । इस मौके पर जसवंत बैंसला करौली,मगन मीना भुकरावली ,विजय सिंह करौली , अजय सिंह करौली , सुरेंद्र कुशवाह बीलोनी , दामोदर सैनी मचानी ,रामेश्वर मीना , महेश मीना , हरिसिंह माली ,कैलाश माली , भगवत पंडित , बंटी सैन , रमेश माली , राधे मीना , सतीश सिंह माली ,रामखिलाडी मीना ,कैलाश माली ,घमंडी मीना एवम सक्रिय युवा साथियों सहित ग्रामवासी व पीड़ित परिजन मौजूद रहे।

जिला शाखा भरतपुर ने सौपा मुख्यमंत्री के नाम 15 सूत्रीय ज्ञापन

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह)राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर जिला शाख भरतपुर ने प्रदेश अध्यक्ष सत्य प्रकाश तथा प्रदेश कार्यकारणी के आव्हान पर प्रदेशव्यापी जिला स्तरीय ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर लोकबंधु यादव को सौपा गया जिसमे तृतीय श्रेणी स्थानांतरण, बीएलओ कार्य से शिक्षकों को मुक्त रखना,रोस्टर की पालना, पातेय वेतन पर पदस्थापित कर्मचारियों को नियुक्ति तिथि से लाभ दिया जाना, सभी संवर्ग की वेतन विसंगति दूर करना,8 -16- 24 -32 पर एसीपी दिया जाना, तीन वर्षो से रुकी डीपीसी को जल्द करना, कॉलेज शिक्षा जारी भर्ती में आरक्षण की पूर्ति करना, प्रबोधको को 2008 से नोसनल लाभ दिया जाना, अधिकारियों को भी अन्य कर्मचारी की तरह एसीपी का लाभ दिया जाना,RR (2016-17) पदोन्नत व्याख्याताओ को नियुक्ति तिथि से डीपीसी मानी जाए, उप प्रधानाचार्य में 50% पदो पर भर्ती की जाए, दूसरे जिले या संभाग से आने वाले कार्मिकों की वरीयता खत्म नही की जाए आदि मांगे रखी गई है ज्ञापन के बाद विजय सिंह संरक्षक प्रदेश कार्यकारणी ने मीडिया को संगठन का ज्ञापन के बिंदुओ से अवगत कराया तथा जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार पिप्पल ने कहा अगर अगर हमारी मांगे नही मानी गए तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन सरकार के खिलाप छेड़ा जायेगा तथा महेंद्र सिंह बाबैन जिला महामंत्री ने सभी शिक्षकों का आभार जताया इस मौके पर संगठन से ज्ञापन देने वालों में रचना कुमारी,राजेश प्रधानाचार्य,शिवचरण लाल मधुकर, विजय सिंह, भूदेव प्रसाद मथुरिया,नेम सिंह,रामफूल सिंह, मनोज तामेश, शिशुपाल सिंह, नरेश राठी, देवी राम तराना, लक्ष्मण सिंह महुआ, उमेश चंद, सत्येंद्र कुमार, वीरेंद्र सिंह कैन, महेंद्र सिंह बाबैन, दामोदर सिंह, खुश्याल सिंह,अखिलेंद्र प्रसाद, शुभय सिंह,ऊदल सिंह,धारा सिंह, नेकराम, राजेंद्र कुमार पिचुना, सुनील कुमार,ओपी शेखर, राजवीर सिंह, संतोष कुमार, ब्रजकिशोर, श्याम कोट, बलजीत सिंह, गणेश कुमार, रमेश चंद्र पोहिया, विनोद एनपीएस, विजय सिंह खेड़ा, यतीश कुमार, गंगा राम,भंवर सिंह ऊंचा गांव, लक्ष्मण सिंह सिनसिनी, प्रेम सिंह अम्बेश, अनिल कुमार कंजोली, राजेंद्र सुपावास, देवी राम तराना, विश्वेंद्र सिंह, रणजीत सिंह निठार, मुकेश जघीना, वीरबहादुर सिंह , गिर्राज सिंह , पिंकेश जघीना,अशोक पन्होरी,मधुवन सिंह ,पवन कुमार नूरपुर,तेजप्रताप तथा मुकेश कुमार पिप्पल उपस्थित थे

समाजिक संघटनों के पद कांटो के ताज -सुरेश शर्मा नांगल लाडी

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा आमेर, अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चंद शर्मा की अनुशंसा पर आमेर तहसील अध्यक्ष सीताराम ओझट ने नांगललाड़ी, बिचपड़ी, राधाकिशनपुरा, सिरसी, हरचंदपुरा व मुंडोता के हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज बंधुओं की इकाई कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें सर्वसम्मति से निर्विरोध सुरेश शर्मा नांगल लाडी को इकाई अध्यक्ष चुना गया। कालूराम बलेसरा बिचपड़ी व रामकल्याण बोहरा हरचंदपुरा को उपाध्यक्ष चुना गया। मंगल चंद कोटोत्या नांगल लाडी को महामंत्री, बाबूलाल भोपलावत सेक्रेट्री को कोषाध्यक्ष,श्रवण लाल बापलावत सिरसी को संघटन मंत्री,बाबूलाल ओझट मुंडोता को प्रचार मंत्री चुना गया इसके अलावा कार्यकारिणी में मास्टर नानूराम भोपलावत, शिवजी राम भोपलावत नाडा, नानूराम भोपलावत नाडा, बाबूलाल बेसरा बिचपड़ी, श्रवण लाल कोटोत्या हलवाई,केसर मल भोपलावत,प्रभाती लाल ओझट,ओंकार मल बापलावत,भंवर लाल बापलावत सिरसी,बाबूलाल बलेसरा बिचपड़ी,केसरमल बालेसरा बीचपड़ी,भैरुराम भोपलावत,श्योजी राम शर्मा,सत्यनारायण दूत हरचंदपुरा को सदस्य बनाए गए।तहसील अध्यक्ष सीताराम ओझट ने सभी को पदभार ग्रहण करवाया एवम् पद की शपथ दिलाई।इस अवसर पर नव निर्वाचित इकाई अध्यक्ष सुरेश शर्मा नांगल लाडी ने कहा कि समाज में पद मिलना कांटो का ताज पहनने जैसा हैं।क्यों यह कोई लाभ का पद नही होता यह समाज की सेवा करने का पद हैं जिसमे समाज की सेवा को सर्वोपरि रखा जाता हैं।यह स्वयं सेवक का पद हैं।समाज सेवा के दोरान कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।अतः यह कांटो भरा ताज होता हैं।

रणजीत सिंह सोडाला के नेतृत्व में निकली कावड़ यात्रा

चमकता राजस्थान

महादेव की आराधना के पावन श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार पर हिन्द रक्षक सेवा संस्थान द्वारा जयपुर के प्रसिद्ध गलताजी मन्दिर से सिविल लाइंस विधानसभा मै नील कण्ठ महादेव जी कृष्णा पूरी राखड़ी तक कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया जिस मै संस्था के संस्थापक रणजीत सिंह सोडाला ने बताया यात्रा मैं 284 युवाओं ने कांवड़ यात्रा में भाग लेकर शिव भोले की जय जयकार लगाते हुए यात्रा पूर्ण की

भरतपुर के मुक्केबाजों ने तीन स्वर्ण, चार रजत एवं आठ कांस्य पदक जीते

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, 29 से 31 जुलाई तक करौली में आयोजित 38 वीं राजस्थान राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक वर्ग एवं 22 वीं राजस्थान राज्य स्तरीय सब जूनियर बालिका वर्ग की बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में मुक्केबाजों ने तीन स्वर्ण, चार रजत एवं आठ कांस्य पदक जीते। जिले की बालिका बॉक्सिंग टीम ने प्रथम स्थान पर रहकर चैंपियनशिप ट्रॉफी जीती। वहीं बालक वर्ग की बॉक्सिंग टीम पांचवे स्थान पर रही। भरतपुर जिला बॉक्सिंग संघ सचिव डॉ. राकेश चाहर को बेस्ट जज (रिंग ऑफिशियल) अवार्ड मिला । जिले की चौदह सदस्यीय बालक वर्ग की बॉक्सिंग टीम में निशांत शर्मा ने स्वर्ण पदक, वरुण चाहर ने रजत पदक, ओम चौधरी, गौरव सिंह, देवांग सिंह, प्रशान्त चाहर, रोहित कुमार, समीर चाहर ने कांस्य पदक जीते। जिले की सात सदस्यीय बालिका वर्ग की बॉक्सिंग टीम में मुस्कान कुमारी और रिया ने स्वर्ण पदक, कामिनी सिंह, ईशाना और भूमिका परिहार ने रजत पदक, ईशा मीणा और हर्षिता चाहर ने कांस्य पदक जीते । टीम की मुख्य कोच मनीषा चाहर एवं सहायक कोच पुनीत फौजदार रहे ।भरतपुर बॉक्सिंग संघ सचिव डॉ. राकेश चाहर एवं एन.आई.एस. बॉक्सिंग कोच अजय फौजदार बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रिंग ऑफिशियल (रेफरी जज) रहे ।डॉ. राकेश चाहर को बेस्ट जज अवार्ड (बॉक्सिंग रिंग ऑफिशियल) अवार्ड मिला। डॉ. राकेश चाहर को वर्ष 2021 में भी झुंझुनूं में बेस्ट जज अवार्ड मिला था।

इस चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज आगामी नेशनल सब जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लेंगे।

आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को यूनिफॉर्म दी

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा जयपुर, रामगंज स्थित श्री हारित शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं को श्रीमती संतोष देवी और अशोक बलेसरा ब्रह्मपुरी द्वारा विद्यालय यूनिफॉर्म दी गई । इस कार्य क्रम में विधालय अध्यक्ष जगदीश बंदावला, मंत्री भागचंद कांजला, कोषाध्यक्ष रामजीलाल पंचोली, प्रधानाचार्य मन्जू शर्मा, राजेश बंदावला एवं समस्त स्टाफ सम्मिलित रहे ।

पूजा शर्मा बनी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष

चमकता राजस्थान

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा जयपुर, कांग्रेसी महिला कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमती पूजा शर्मा को कैबिनेट मंत्री डॉक्टर महेश जोशी जलदाय विभाग के निर्देशानुसार एंवम पीसीसी सदस्य युवा नेता रोहित जोशी के प्रयास से श्रीमती रानी लुबना शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने पूजा शर्मा को जलमहल ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया और कैबिनेट मंत्री डॉक्टर महेश जोशी ने गोविंद देव जी के मंदिर में माला पहना कर आर्शीवाद दिया ।

जयपुर डिस्कॉम की समीक्षा बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान

जयपुर, 02 अगस्त। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक श्री आर.एन.कुमावत ने बुधवार 2 अगस्त को लीगल विंग व आईटी विंग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आईटी का उपयोग करके उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान की जाए। समीक्षा बैठक में जयपुर डिस्कॉम के निदेशक तकनीकी व वित, संभागीय मुख्य अभियन्ता, सचिव प्रशासन, अधीक्षण अभियन्ता, अधिषासी अभियन्ता, मुख्य कार्मिक अधिकारी, सभी सर्किलों के कार्मिक अधिकारी व सम्बन्धित विंग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक श्री आर.एन.कुमावत ने लीगल विंग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कार्यों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और कोई भी विद्युत दुर्धटना होती है तो सम्बन्धित कनिष्ठ अभियन्ता, सहायक अभियन्ता व अधिशासी अभियन्ता उसकी सूचना 24 घण्टे के अन्दर विभाग को दे एवं इलेक्ट्रीकल इंसपेक्टर को भी इसकी सूचना दें। इसके उपरान्त विभाग द्वारा गठित कमेटी द्वारा इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी घटना होती है तो फील्ड अधिकारी मौके पर जाकर उसकी सही रिपोर्ट तैयार करें व रिपोर्ट समय पर बनाई जाए। उन्होंने कहा कि विभाग की पूरी मशीनरी लगी हुई है फिर भी विभाग पर लाईबिलिटी बन के आ रही है यह बहुत ही गंभीर है और भविष्य में लापरवाही की वजह से डिस्कॉम पर कोई लाईबिलिटी आती है तो उसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित अधिकारी की होगी एवं उसकी वसूली भी उससे ही की जाएगी। बैठक में अधीक्षण अभियन्ता लीगल ने लम्बित केसेज, रिप्लाई, गत तीन वर्षों में हाइकोर्ट में दायर की गई अपील व रिट के मामले व निस्तारित हुए केसेज एवं कार्ट केसेज में डिफाल्टर होने पर संभागीय मुख्य अभियन्ता स्तर पर लम्बित जांच के प्रकरण आदि के बारें में जानकारी दी गई। श्री कुमावत ने प्रभावी कार्य संपादन नही होने को लेकर सर्किल कार्मिक अधिकारी व ओआईसी को शो-कॉज नोटिस देने के निर्देश दिए और निर्देश दिए कि आगामी बैठक में केसेज की केटेगरी वाईज सूचना तैयार कर प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि क्लेम की फाईल सही रिपोर्ट के बिना आती है तो सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

महिलाओं के स्वरोजगार हेतु केंद्र खोलेगी सेवा भारती

चमकता राजस्थान

जयपुर 2 अगस्त। सेवा भारती जयपुर महानगर के द्वारा पिछड़ी बस्ती की किशोरियों और महिलाओं को स्वरोजगार के लिए केंद्र खोले जाएंगे।इन केन्द्रो में महिलाओं का कौशल विकास कर स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। मेहंदी प्रशिक्षण और फैशन डिजाइनिंग तथा कंप्यूटर ट्रेनिंग केंद्र खोले जाएंगे । आज शहर की ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आजाद नगर बस्ती व टीला नंबर 7बी की महिलाओं और किशोरियों को आश्वस्त करते हुए राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय अधिकारी मूलचंद सोनी ने कहा सेवा भारती इन बस्तियों में स्वरोजगार हेतु सभी को प्रेरित करेगी तथा साधन उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर सत्संग करने का सामान जिसमें ढोलक मंजीरे छन छन सामग्री प्रदान की गई। बस्ती की महिलाओं ने बहुत अधिक संख्या में जोर शोर से इसके लिए उत्साह दिखाकर भजन सत्संग कर योजना का स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रांत महिला कार्य प्रमुख अनिल शुक्ला , जयपुर महानगर सह मंत्री संजना अग्रवाल , गालव जिला सह मंत्री राजेश शुक्ला , गालव भाग अध्यक्ष रामलाल प्रजापति और उपाध्यक्ष तरुण केसवानी , सेवा प्रमुख नरेंद्र गुप्ता, विकास , ओम प्रकाश , रामस्नेही तथा बस्ती के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर बस्ती की महिलाओं ने साप्ताहिक भजन मंडली चलाने का निर्णय लिया।

सार समाचार

जल जीवन मिशन के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

पंचायत समिति बाप सभागार में बुधवार को जल जीवन मिशन के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में बाप पंचायत समिति के 20 ग्रामो से 47 लोगों ने भाग लिया। सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी, आईएसए, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों ने भाग लिया। सहायक अभियंता सुरेश कुमार ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की इस योजना को सरकार और समुदाय के सहयोग से संचालित किया जाना है। इसलिए प्रशिक्षण के पश्चात अपने अपने गांव में योजना के संचालन में सहयोग कीजिए।प्रशिक्षण की श्रृंखला पर चर्चा करते हुए बताया गया कि इस योजना में समुदाय की जिम्मेदारी योजना निर्माण, कियान्वयन एवं मूल्यांकन की है और सरकार की जिम्मेदारी योजना के लिए वित्तीय और तकनीकी सहयोग प्रदान करना है। इसलिए अपने गांव में हर घर नल से जल पहुंचाने की जिम्मेदारी गांव में गठित पानी समिति की है। जल मे अन्य महत्वपूर्ण विषयो पर सम्बोधन किया। साथ ही सहायक अभियंता द्वारा भी जल जीवन मिशन की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षक टीम एवं सहायक अभियंता द्वारा प्रशिक्षण सामग्री एवं प्रमाण पत्र वितरित किया। मुख्य प्रशिक्षक अनूप सिंह, सुनील ने विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मौके सरपंच केशुराम मेघवाल, एडवोकेट प्रवीण सिंह टेपू, मांगीलाल सारण, ग्राम विकास अधिकारी मुकेश सुथार, राजवीर सुथार, सहायक अभियंता विकास विश्नोई आदि उपस्थित थे।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि व युवा भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद रावल जानी ने बुधवार को जयपुर में भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों से मुलाकात की। जाणी ने प्रदेश कार्यालय में भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अंकित कुमार गुर्जर से मुलाकात की। इसके बाद जाणी ने भाजपा प्रदेश मंत्री अनंतराम विश्नोई से मुलाकात की। इस दौरान प्रकाश जांगू आदि साथ थे।

पर्यावरण रक्षा द्वारा ही होगी मानवता की रक्षा - सुनीता मीणा

धौलपुर (रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) जिला धौलपुर में आज दिनांक 02.08.2023 को न्यू एडीआर परिसर धौलपुर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) धौलपुर सुनीता मीणा द्वारा 14 फुट का बरगद का पौधा लगाया गया। इस अवसर पर सचिव सुनीता मीणा द्वारा बताया गया कि विकास के साथ दुनियाभर में पर्यावरण को नुकसान भी पहुंचाया जा रहा है। वन और जंगल नष्ट किये जा रहे हैं जिसकी वजह से पूरी दुनिया में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत ''पर्यावरण संरक्षण'' को व्यक्ति का मूल अधिकार माना गया है तथा संविधान के अनुच्छेद 51क में पर्यावरण संरक्षण को व्यक्ति का मूल कर्तव्य भी माना गया है और कहा गया है कि ''भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करे और उनका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दया भाव रखे।'' सचिव सुनीता मीणा ने बरगद मेन शिक्षक नरेन्द्र यादव द्वारा धौलपुर जिले में अब तक लगाये गये 1220 बरगद वृक्ष मय तिरंगा ट्री गार्ड कार्य की सराहना की। उन्होंने बताया कि शिक्षक नरेन्द्र यादव द्वारा अपना जीवन और वेतन पर्यावरण के प्रति समर्पित कर रखा है। नरेन्द्र यादव द्वारा जिलेभर में 10 बरगद कोरीडोर बनाये जा रहे हैं। प्रत्येक कोरीडोर में 100 बरगद वृक्ष लगाये जाएंगे। इनके द्वारा प्रथम कोरीडोर में लवकुश वाटिका में 100 बरगद अपने निजी खर्च से लगाये हैं। इस अवसर पर संजय शर्मा, विनीत गोयल, सुरेन्द्र सिंह, राहुल, प्रदीप शर्मा आदि कर्मचारीगण मौजूद रहे।

चिटफंड कंपनी से ठगी के शिकार धौलपुर के निवेशकों ने दिल्ली में किया प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

रामदास तरुण(ब्यूरो चीफ) की रिपोर्ट धौलपुर समेत देशभर में चिटफंड कंपनियाँ जैसे साईं प्रसाद एचबीएन,परिवार डेयरी, एचवीएन, श्री साईं आदर्श क्रेडिट, सहारा क्रेडिट सोसायटी आदि कंपनियों से ठगी के शिकार हुए। लोगों ने दिल्ली में पहुँच कर जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया। ठगी पीड़ित जमाकर्ताओं ने बैनर तले राष्ट्रीय संयोजक मदनलाल आजाद के नेतृत्व में जिला धौलपुर व करौली से कई लोग दिल्ली पहुंचे।जिला अध्यक्ष विशाल कुशवाह के नेतृत्व में जिले से सैकड़ों की संख्या में पहुंचे पीड़ित लोगों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार व राज्य सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया।

धौलपुर, करौली के निवेशक पीड़ितों ने दिल्ली जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करने के ।दौरान मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वर्तमान राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने जंतर मंतर पर बैठे निवेशकों के हित में पूरे भारतवर्ष के हित में राज्यसभा में व निवेशकों के मुद्दा रखने की बात कही। मंच के संयोजक मदनलाल आजाद के नेतृत्व में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति को निवेशक हित में ज्ञापन प्रेषित किया गया। मंच के निर्देश पर आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर संसद का घेराव करने का निर्णय लिया गया। और यह भी कहा गया कि सभी राज्य सरकारों से निवेदन है कि लोकसभा में पारित बडस एक्ट 2019 की पूरी तरह से क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। उस एक्ट में 180 कार्य दिवस में निवेशकों का पेमेंट देने का अधिकार दिया गया है, लेकिन राज्य सरकार इस एक्ट को राजस्थान में लागू नहीं कर रही है।आने वाले चुनाव में राजस्थान में लोकसभा के चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा। परिवार सहित पहले भुगतान फिर मतदान का संकल्प लेगें। धौलपुर जिले से जिला अध्यक्ष विशाल सिंह कुशवाह, संजीव कुमार, शिवदत्त, बल्ले खांन, राकेश कुमार बघेला, रमेश चंद्र, महेंद्र सिंह, गोपाल, संजय पाल, आदि ने धरना प्रदर्शन में समर्थन किया।

मीणा महासभा जिला अध्यक्ष रविंद सिनपिनी ने सुलहनामा में निभाई अहम भूमिका

गलत फहमियां दूर कर फिर से एक दूजे के हुए पति पत्नी...

चमकता राजस्थान. भरतपुर (राजवीर सिंह) वर्षों से बिछड़े पति-पत्नी को राष्ट्रीय मीणा छात्र महासभा के जिला अध्यक्ष रविन्द्र मीना सिनपिनी सामाजिक सरोकार निभातें हुए पति पत्नी के दाम्पत्य जीवन में वर्षों से चले आ रहे मनमुटाव एवं गलतफामियों दूर करवाकर आपस मे सुलहनामा में अपनी अहम भूमिका निभाई।मोहल्ले के लोगों का कहना है कि इन दोनों को मिलवाकर रविन्द्र मीना ने बड़ा काम किया है।खासकर,इनका एक बेटा है इनके बेटे को बड़ी खुशी दी है। ये दंपत्ति गलतफहमीयों के कारण शादी के कुछ ही समय बाद से अलग-अलग रहने लगे थे। पुलिस केस भी चल रहा था.बीच में कुछ दिन पहले ग्राम खोह में अपने स्तर पर पंचायत हो चुकी है फिर भी समझौता नहीं हुआ लेकिन फिर दोनों में और विवाद बढ़ गया। फिर तलाक तक की बात होने लगी थी फिर रविन्द्र मीना ने एक दूसरे को पास

बैठाकर सारी गलतफहमियां दूर कराने में मदद की इन दोनों को मिलवाया दोनों गले मिले एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अब अलग ना होने की कसम खाई साथ ही नए जीवन की शुरुआत कराने के लिए रंजीत पत्नी सुमन दोनों ने रविंद्र मीना आभार जताया। रविन्द्र मीना ने बताया कि जीवन की खुशियों के लिए पति-पत्नी के रिश्ते को प्यार, विश्वास और समझदारी के धागों से मजबूत बनाना पड़ता हैं,

छोटी-छोटी बातें इग्नोर करनी होती हैं,मुश्किल वक्त के समय में एक-दूसरे का सहारा बनना पड़ता हैं।

पति-पत्नी का रिश्ता इस दुनिया का सबसे खास रिश्ता होता हैं।

पति पत्नी के रिश्ते में विश्वास होना चाहिए

आपस में एक दूसरे के प्रति होने वाले विश्वास को कभी न डगमगाने दे,

पति पत्नी के रिश्ते में एक दूसरे के प्रति सम्मान होना जरुरी हैं,

पति-पत्नी के रिश्ते में क्रोध और घमंड के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए,पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए एक दूसरे को समय दे,एक दूसरे की इच्छाओं का आदर करे,

एक दूसरे की भावनाओं को समझे, एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार को कभी कम न होने दे,

हमेशा मिलजुल कर अपने प्यार को बढ़ाने के लिए कुछ न कुछ खास करना चाहिए,

सबसे अहम बात दोनों को अपनी जिंदगी में एक दूसरे को बराबर समझना चाहिए!

राष्ट्रीय अंगदान दिवसः हर साल 1.8 लाख किडनी फेलियर केस पर ट्रांसप्लांट हो पा रहे सिर्फ 6 हजार

अंगदान के लिए प्रेरित करने चलेगा 'अंगदान जीवनदान' महाअभियान

चमकता राजस्थान, जयपुर। देश में प्रतिवर्ष 1.8 लाख किडनी फेलियर के केस सामने आते हैं लेकिन मुश्किल से 6000 का ही किडनी ट्रांसप्लांट हो पाता है क्योंकि किडनी डोनर नहीं मिलता। इसी प्रकार प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक व्यक्ति लीवर फेलियर का शिकार होते हैं लेकिन अंग दाता ना मिलने के कारण मात्र 1500 लिवर ट्रांसप्लांट ही हो पाते हैं। हार्ट ट्रांसप्लांट तो और भी कम मात्र 10 से 15 प्रतिवर्ष। मांग एवं आपूर्ति के बड़े अंतर को पाटने राजस्थान सरकार द्वारा राष्ट्रीय अंगदान दिवस 3 अगस्त से अंगदान जीवनदान महा अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद अबरार पवार ने बताया कि 3 अगस्त को मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत द्वारा जयपुर से ही अभियान का शुभारंभ किया जाएगा जिसका लाइव वेबकास्ट शाम 5ः00 बजे से शुरू होगा। सभी पंचायत, तहसील तथा जिला स्तरीय आईटी सेवा केंद्रों से पूरे राज्य के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारीगण जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि पूरे पखवाड़े में विभिन्न स्तरों पर जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर आमजन को अंगदान के लाभ व आवश्यकता से रूबरू कराते हुए अंगदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। विद्यालय, कॉलेज विद्यार्थियों को अंगदान की शपथ दिलवाई जाएगी, फिर ग्राम, ब्लाक तहसील व जिला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। विजेताओं को

15 अगस्त को सम्मानित किया जाएगा। अभियान के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं, रोटरी क्लब, ब्रह्माकुमारीज व अन्य सिविल सोसाइटी संस्थाओं की मदद ली जाएगी। 17 अगस्त तक चलने वाले इस महा अभियान के दौरान ही समस्त सरकारी निजी मेडिकल कॉलेज में ट्रांसप्लांट यूनिट सक्रिय की जाएगी। अंग व टिशु ट्रांसप्लांट डोनेशन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ लोकेश गुप्ता ने बताया कि जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला स्तरीय कार्य योजना का अनुमोदन करवा लिया गया है। अभियान के अंतर्गत वीएचएसएनसी स्तर पर जागरूकता गतिविधियां की जाएंगी। यहां तक कि गुरुवार को एमसीएचएन दिवस के अवसर पर टीकाकरण के साथ अंगदान शपथ भी दिलवाई जाएगी। जिला आईईसी समन्वयक मालकोश आचार्य ने बताया कि युवाओं को अंगदान जैसे पुनीत कार्य से जोड़ने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सघन जागरूकता अभियान चलाया जाएगा जिसमें ऑनलाइन वीडियो संदेश प्रतियोगिता, सेल्फी प्रतियोगिता व स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

ऑर्गन डोनेशन महत्वपूर्ण तथ्य

हार्ट अटैक से मृत्यु होने पर केवल कुछ अंग या ऊतक ही डोनेट किये जा सकते है जैसे कि कॉर्निया, हड्डी, त्वचा और रक्तवाहिकाएं।

ब्रेन स्टेम मृत्यु के बाद लगभग 37 विभिन्न अंग और ऊतक दान किए जा सकते हैं, जैसे कि किडनी, हृदय, लिवर और फेफड़े।

मृत व्यक्तियों से अंगदान करने की स्थिति भारत में अभी भी बहुत कमजोर है। भारत में केवल लिविंग ऑर्गन डोनर्स के द्वारा अंगदान से आवश्यकता की पूर्ति नहीं की जा सकती है इसलिए मृत व्यक्तियों के ऑर्गन डोनेशन को प्रोत्साहित करना अतिआवश्यक है। ट्रांसप्लांटेशन ऑफ़ ह्यूमन ऑर्गन्स एक्ट (THOA) 1994 के अंतर्गत मानव अंगो के उपचारात्मक प्रयोजन तथा मानव अंगो के व्यवसायिक व्यवहार की रोकथाम के लिए नियम निर्धारित किए गए है। इस अधिनियम के अनुसार, ऑर्गन के स्रोतः निकट रिश्तेदार दाता (मां, पिता, बेटा, बेटी, भाई, बहन, पति या पत्नी) मृत दाता, विशेष रूप से ब्रेन स्टेम डेथ के बाद- जैसे कि सड़क दुर्घटना आदि के पीड़ित जहां ब्रेन स्टेम मृत हो चुका है और व्यक्ति अपने आप श्वास नहीं ले सकता है, लेकिन वेंटीलेटर/ऑक्सीजन सपोर्ट पर है, के हार्ट एवं अन्य ऑर्गन काम कर रहे है।

रिश्तेदार बनकर आई महिला, 35 लाख नकद लेकर फरार

चमकता राजस्थान, बीकानेर। बीकानेर के बज्जू थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग दम्पति के घर रिश्तेदार बनकर रुकी महिला 35 लाख रुपए और जेवरात लेकर फरार हो गई। सुबह घर का सारा सामान बिखरा दिखा तो दम्पति को चोरी का पता चला। घटना के दो दिन बाद बुधवार को मामला दर्ज करवाया गया है। भलूरी के पूर्व सरपंच धन्नाराम आचार्य (79) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह और उनकी पत्नी घर में अकेले रहते हैं। 30 जुलाई को एक महिला आई और खुद को फलौदी निवासी भांजे किशन की पत्नी बताया। रात को महिला उनके घर में रुकी।

सोने से पहले दूध में बुजुर्ग दम्पति को नींद की गोलियां दे दी। जब धन्नाराम और उनकी पत्नी गहरी नींद में सो गए तो महिला घर में रखे 35 लाख रुपए और 20 तोला सोना और 2 किलो

से अधिक चांदी के जेवरात चोरी कर ले गई। बताया जा रहा है कि उसके दो साथी भी वहां पहुंच गए थे। धन्नाराम के घर में 35 लाख रुपए रखे हुए थे। इनमें 21 लाख 50 हजार उनके भतीजे के थे, जो उसने रखने के लिए दिए थे। शेष करीब पंद्रह लाख रुपए खुद धन्नाराम के थे। महिला ने पुराने डिजाइन का मछी सूलिया, कंठी, झूमरी सांकली, हार, अंगूठी, बोरिया, मंगलसूत्र सहित कुल 20 तोला सोना, चांदी की पायलें, सिक्के, कंदौरा, टणका, सहित 2 किलो से अधिक चांदी अपने साथ ले गई। धन्नाराम ने पुलिस को बताया कि घर में रखे 24 जिंदा कारतूस और बंद बोलेरो गाड़ी की चाबी भी वो चोरी कर ले गई। सुबह बुजुर्ग दंपति उठे तो घर का सामान बिखरा पड़ा था। घर में रखे रुपए और जेवरात गायब थे। इस पर धन्नाराम ने फलौदी में रहने वाले भांजे किशन को फोन किया तो उसने बताया कि उसकी पत्नी कहीं गई ही नहीं। घर पर आई महिला उसकी पत्नी नहीं थी। तब सभी को पता चला कि महिला चोर ने वारदात को अंजाम दिया है। इसके बाद धन्नाराम ने अपने भतीजे मघाराम को बुलाया और वारदात की जानकारी दी। बज्जू पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

इंदिरा गांधी स्मार्ट फोन योजना

चमकता राजस्थान .धौलपुर(रामदास तरुण ब्यूरो चीफ) इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना में निम्नांकित बिन्दुओं का ध्यान रखे ताकि आप शिविर में परेशान न हों। प्रथम चरण में पात्र सभी लाभार्थीयों को शिविर से पूर्व SMS के माध्यम से सूचित करना तथा निमंत्रण भेज दिया जायेगा। 1. जनआधार में सही आधार व मोबाइल नंबर अपडेट होना चाहिए, जो मोबाइल नंबर जनआधार से जुड़ा हुआ है वो सक्रिय (चालू हालत) में होना चाहिए। 2. जो मोबाइल नंबर जनआधार से जुड़ा हुआ होना चाहिए। उस नंबर पर लाभार्थी को प्ले स्टोर से जन आधार e-Wallet एप्लीकेशन इंस्टॉल करना है। जन आधार e-Wallet एप्लीकेशन इंस्टॉल करते समय ध्यान रखें कि आपको वही आधार व मोबाइल नंबर डालना है जो जनआधार में जुड़ा हुआ है। यदि जनआधार में आधार या मोबाइल नंबर में कोई त्रुटि है तो लाभार्थी से अपेक्षित है कि वो शिविर से पूर्व अपने निकटवर्ती इ-मित्र पर जाकर इसे सही करवायें, तथा उसके बाद ही प्ले स्टोर से जन आधार e-Wallet एप्लीकेशन इंस्टॉल करें। शिविर के दौरान लाभार्थी को निम्न दस्तावेज आवश्यक रूप से लेकर आना है — जनआधार , आधार , 1 पासपोर्ट फोटो , जनआधार में अपडेटेड मोबाइल चालू हालत में, पेन कार्ड (यदि उपलब्ध हो) Minor लाभार्थी (18 वर्ष से कम) को अपने परिवार के मुखिया के साथ आना है तथा पासपोर्ट फोटो, पेन कार्ड (यदि उपलब्ध हो) व आधार परिवार के मुखिया का लाना है आप सभी से अपेक्षा है कि उपरोक्त सभी बिंदुओं का व्यापक प्रचार प्रसार करें, ताकि शिविर के दौरान अव्यवस्था नहीं हो । आपको प्रथम चरण में मोबाईल फ्री मिलेगा।

देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ने की मांग, उच्चैन सीएचसी हो क्रमोन्नत

चमकता राजस्थान . भरतपुर (राजवीर सिंह) नदबई. विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यो को लेकर एक बार फिर देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष की सराहनीय पहल नजर आई। जब, उच्चैन मुख्यालय पर ग्रामीणों की सहूलियत के लिए देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ने सीएचसी को क्रमोन्नत करते हुए 50 वैड करने की मांग करते हुए विधानसभा में मामला उठाया। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ने सीएचसी पर चिकित्सक सहित चिकित्साकर्मियों की कमी होने से मरीजों को जिला मुख्यालय तक भटकने का आरोप लगाया। साथ ही सीएचसी पर अधिकारी व कर्मचारी नियुक्त करने को कहा। गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं को लेकर देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ने लगातार प्रयास किए। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष के प्रयास से नदबई सीएचसी को उपजिला चिकित्सालय का दर्जा मिला तो दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने बजट में उच्चैन सीएचसी पर ट्रोमा सेंटर व खानबा में नवीन सीएचसी सहित अलग-अलग ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आधा दर्जन से अधिक नवीन पीएचसी की घोषणा की गई।

नर्सेज ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 2 घंटे का कार्य बहिष्कार किया

चमकता राजस्थान ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा जयपुर, राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर आरबीएम चिकित्सालय भरतपुर में राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संयोजक सत्यवीर सोगरवाल और विद्या माली के नेतृत्व में नर्सेज की लंबित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रातः 8ः00 बजे से 10ः00 तक चिकित्सालय के द्वार पर 2 घंटे का कार्य बहिष्कार किया । वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी कौशलेश शर्मा,हेमंत फौजदार और प्रदीप शर्मा ने बताया कि जब तक नर्सेज की 11 सूत्रीय मांगे पूरी नहीं की जाती तब तक आंदोलन अनवरत जारी रहेगा । सरकार की उदासीनता के चलते प्रदेश भर की नर्सेज में रोष व्याप्त है । इस मौके पर वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी भंवर सिंह सागर, अजीत चौधरी, विजय सिंह, राधा कृष्ण, अभय प्रताप, राजेश कासिनवार,मंजूश्री,संगीता, आरती, तनु, लव-कुश, धर्मवीर, पवन इत्यादि सैकड़ो नर्सेज कर्मचारी उपस्थित रहे ।

अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना के लिए 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

चमकता राजस्थान, बीकानेर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना के तहत आवेदक 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पवार ने बताया कि योजनांतर्गत समस्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर (केवल शैक्षणिक पाठ्यक्रमों कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय हेतु) राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र (बालक) जो घर से दूर रहकर अन्य स्थान पर कमरा किराये पर लेकर (पेईंग गैस्ट के रूप में) अध्ययन करते हैं उन छात्रों के लिए आवास, भोजन एवं बिजली-पानी इत्यादि सुविधाओं हेतु पुनर्भरण राशि के रूप में अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना के अन्तर्गत छात्र द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश दिनांक से माह मार्च तक 2000/- प्रतिमाह प्रतिवर्ष (अधिकतम 10 माह हेतु) दी जाएगी। पवार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में राजकीय महाविद्यालय की स्नातक अथवा स्नातकोत्तर कक्षाओं में नियमित रूप से अध्ययनरत एससी, एसटी, ओबीसी, एमबीसी, ईडब्ल्यूएस एवं अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों को देय होगा। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत इच्छुक छात्र द्वारा ई-मित्र, एस.एस.ओ. आई.डी. के माध्यम से पोर्टल पर जनाधार कार्ड के माध्यम से SSO.rajasthan.gov.in एवं http://sjms.rajasthan.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि योजना में छात्रों के ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किये जाने की व्यवस्था लागू की गई है। अधिक जानकारी विभाग की वेबसाईट http://sje.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादकः अभय सिंह चौहान, मोबाइलः 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)